राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका जनवरी, 2015 ₹45

आशा खबर

सच का दम

भारत रत्न

Allahabad Pentecostal Church

Wishing You Very
Blessed Christmas
&
A Prosperous New Year

★ House of Prayer for All Nations.
★ House of Praise.
★ House of God's Word.

18, Mahatma Gandhi Marg, Civil Lines,
Allahabad 211001, UP India

iaf
An ISO 9001:2008 Certified

AFTER 10+2

क्या आप जॉब चाहते हैं?

Accounts Executive	Sr. Accounts Executive	Accounts Manager
Salaries 6000 - 8000	Salaries 8000-15000	Salaries 15000-25000

Accountant नहीं Computant बनें
COMPUTANT
Certified Industrial & Professional Accountant

कम्प्यूटेंट कोर्स आपको बनाए
Accounts Manager
साथ ही दे निश्चित सफलता।

THE INSTITUTE OF ACCOUNTS & FINANCE
लोक सेवा आयोग गेट नं. 2 के सामने, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद
Mob.: 9935810222, 9935401212

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका

आशा खबर

सच का दम

वर्ष-1 अंक 3 जनवरी 2014

सम्पादक	रजनी कान्त श्रीवास्तव
सलाहाकार सम्पादक	नवीन श्रीवास्तव
सलाहाकार सम्पादक	संजय कुमार श्रीवास्तव
सलाहाकार सम्पादक	पुनीत कुमार शुक्ला
सह सम्पादक	दीपक कुमार सिंह
संवादाता	
उत्तर प्रदेश	विपुल श्रीवास्तव
दिल्ली	मुकेश कुमार कुशवाहा
बिहार	रौशन कुमार
राजस्थान	सत्य नारायण
महाराष्ट्र	रुपेश कुमार
इलाहाबाद	शैलेष त्रिपाठी
भदोही	परवेश श्रीवास्तव
वाराणसी	अमित पांडेय
मिर्जापुर	मृत्युनजय कुमार चौधरी
बलिया	राजेन्द्र श्रीवास्तव
गाजीपुर	अखिलेश शर्मा
कौशाम्बी	प्रमोद कुमार यादव
बांदा	शैलेष कुमार गुप्ता
झांसी	सत्य देव
फतेहपुर	आदित्य मिश्रा
लखनऊ	प्रदीप सिंह
छायाकार	गिरीश चन्द्र
विधि सलाहकार	पी० सी० श्रीवास्तव,सुप्रीम कोर्ट
	शशी शेखर मिश्रा, हाईकोर्ट
	अवनीश कुमार श्रीवास्तव,हाईकोर्ट
	धन्नजय कुमार सिंह,जिला कचहरी
	सत्य प्रकाश उपाध्याय,तहसील
	रविन्द्र नाथ श्रीवास्तवद्धतहसील
प्रबंधक	अमरीष कान्त श्रीवास्तव
प्रसार प्रबंधक	भान सिंह
तकनीकी प्रबंधक	मोहित कुमार श्रीवास्तव
तकनीकी व्यवस्थापक	कुलदीप कुशवाहा
साज सज्जा प्रबंधक	आराध्या पांडेय
साज सज्जा व्यवस्थापक	रंजीत कुमार केशरवानी

सम्पादकीय कार्यालय

81/6/2ए, चकदोदी, नैनी
इलाहाबाद - 211008
मो0 - 9415680998-0523-2694058
www.asha khabar.com
e-mail :- editor@ashakhabar.com

असुरक्षित यौन सम्बन्धों से बचव

27

सारदा चिटफंड घोटाला जांच बड़ी मछली की बारी

12

तनाव डुबो रहा नैय योग बनेगा खेवैया

20

रंगो का कमाल भरपूर सेहत

10 रुपये में एलईडी बल्ब दिलाएगी केंद्र सरकार

29

पत्रिका में प्रकाशित समाचारों/ रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं इसमें प्रकाशक/सम्पादक की आम सहमति नही है रचना में कथनों/तथ्यों/आंकड़ों के लिये लेखक स्वयं उत्तरदायी है। उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक तारणी शरण श्रीवास्तव द्वारा भार्गव आफसेट प्रेस 2, बाई का बाग इलाहाबाद से मुद्रित एवं 81/6/2 ए चकदोदी नैनी इलाहाबाद से प्रकाशित। ''सभी वाद-विवाद इलाहाबाद के सक्षम न्यायालय के अधीन मान्य होगा''

अटल-मालवीय

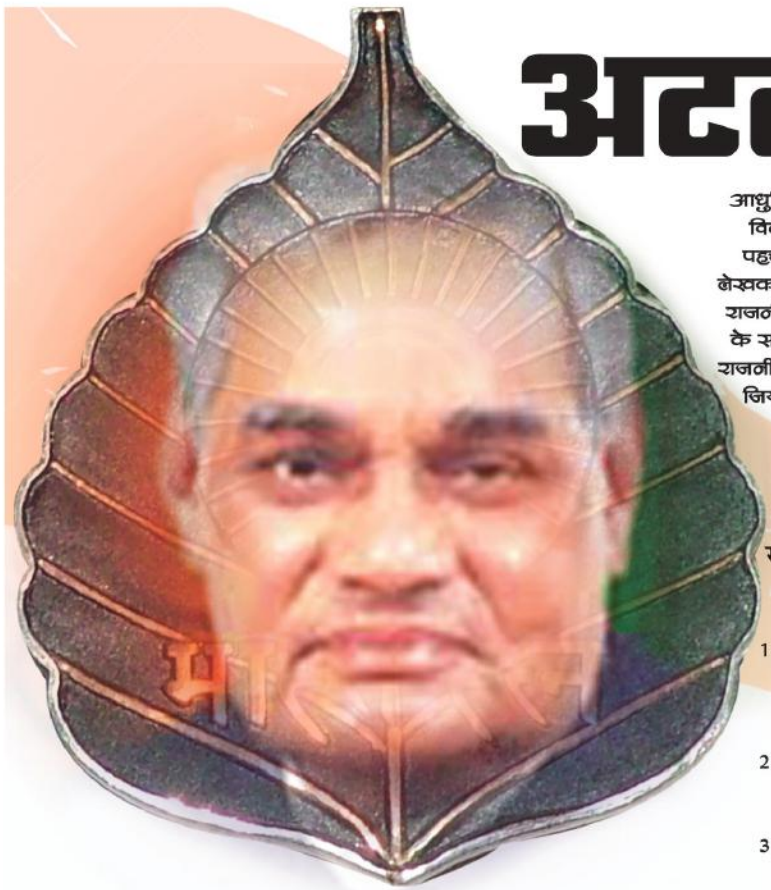

आधुनिक भारत के राजनीतिक इतिहास में अटल बिहारी बाजपेयी का संपूर्ण व्यैक्तिक विकास शिखर पुरुष के रुप में दर्ज है। भारत में ही नही अपुति दुनिया में उनकी पहचान एक कुशल राजनीतिक,राजनीतिज्ञ, प्रशासक, भाषाविद, कवि, पत्रकार व लेखक के रुप में है। स्वाधीनता आंदोलन से लेकर आपातकाल एवं आधुनिक भारत की राजनीति में अटल बिहारी बाजपेयी एक अटल योद्धा की धुरी है। राजनीति में उदारवाद के सबसे बड़े समर्थक है। उन्होने विचारधारा की कीलों से कभी अपने को नही बांधा। राजनीति को दलगत और स्वार्थ की वैचारिकता से अलग हट कर अपनाया और उसको जिया। जीवन में आने वाली हर विषम परिस्थियों और चुनौतियों को स्वीकार किया

इसलिए सबसे बड़े सम्मान के हकदार अटल बिहारी वाजपेयी

1. 1977 में पहली बार संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी में भाषण देकर देश का सिर गर्व से ऊंचा किया।
2. 1996, 1998 और 1999 में प्रधानमंत्री बनें, देश-विदेश में एक ईमानदार नेता की छवि
3. 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षण, जो भारतीय इतिहास के सबसे गौरवपूर्ण क्षणों मे से एक

देश के करिश्माई राजनेता

सबसे सफल गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री - वाजपेयी कांग्रेस के बार देश के सर्वाधिक लंबे समय तक प्रधानमंत्री है। भाजपा के चार दशक तक विपक्ष में रहने के बाद वाजपेयी 1996 में पहली बार प्रधानमंत्री बने। ये सरकार 13 ही चल पाई। स्थिर बहुमत नही होने के कारण 13 महीने बाद 1999 की शुरुआत में उनके नेतृत्व वाली दूसरी सरकार भी गिर गई। लेकिन 1999 के चुनाव में वाजपेयी स्थिर गठबंधन सरकार के मुखिया बने जिसने अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा किया। 1998 के मई में देश ने पोखरण में श्रृखलाबद्ध परमाणु परीक्षण किया जय जवान जय किसान के साथ जय विज्ञान का नारा देते हुए दुनिया को अपनी ताकत का एहसास कराया। 5846 किलोमीटर लंबी सड़को के लिए 1998 में स्वर्णिम चतुर्भुज सड़क योजना शुरु की। इसमें सड़को को चौड़ा और सुदृढ़ किया गया जिससे देश में त्वरित संपर्क बन सके। 1999 में कारगिल में घुसपैठ करने वाली पाकिस्तान सेना को मुहतोड़ जवाब देते हुए उसे वापस लौटने पर मजबूर किया।

अटल विहारी का जन्म मध्य प्रदेश के ग्वालियर में 25 दिसंबर 1924 को हुआ था। उनके पिता कृष्ण बिहारी बाजपेयी शिक्षक थे। उनकी माता कृष्णा जी थी। वैसे वे मूलतः उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के बटेश्वर गांव के रहने वाले थे। लेकिन पिता जी मध्य प्रदेश में शिक्षक थे। इसलिए उनका जन्म वही हुआ। लेकिन उत्तर प्रदेश से उनका राजनीतिक लगाव सबसे अधिक रहा। उन्हें श्रेष्ट सांसद और तिलक पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। साहित्य के प्रति बचपन से उनका लगाव था। बचपन से वे कविताएं लिखते थे। वे एक कुशल कवि के रुप में अपनी पहचान बनाना चाहते थे। लेकिन पत्रकारिता ही उनके राजनैतिक जीवन की आधारशिला बनी। उन्होंने संघ के मुख पत्र पांचजन्य, राष्ट्रधर्म और वीर अर्जुन जैसे अखबारो का संपादन किया। 1957 में देश की संसद में जनसंघ के सिर्फ चार सदस्य थे। जिसमें एक अटल बिहार बाजपेयी थे। संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए हिंदी में भाषण देने अटल पहले भारतीय राजनीतिज्ञ थे। वाजपेयी जी ने सबसे पहले 1955 में पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा लेकिन उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा। बाद में 1957 मं गोंडा की बलरामपुर सीट से जनसंघ उम्मीदवार के रुप में जीत कर लोकसभा पहुंचे। इंदिरा गांधी के खिलाफ जब विपक्ष एक हुआ बाद मे जब देश में मोरारजी देसाई की सरकार बनी तो अटल जी को भारत की विदेश नीति बुलंदिया पर पहुंचने के लिए विदेश मंत्री बनाया गया। इस दौरान उन्होने राजनीतिज्ञ कुशलता की छाप छोड़ी। अटल जी ने देश की राजनीति को गठबंधन राजनीति का ऐसा सफल मार्ग दिखाया है जो आज देश के राजतंत्र का आधार बना हुआ है। गठबंधन राजनीति का राजधर्म बताकर और उस पर चनकर पूरे पांच वर्ष तक देश को साफ-सुथरी लोकप्रिय सरकार दी। भारतीय लोकतंत्र में गठबंधन के राजनीतिक धर्म का अटल का यह पाठ विरोधी दल कांग्रेस ने भी अक्षरसः पढ़ा। गठबंधन का जो मार्ग अटल जी ने पांच साल सरकार चलाकर दिखाया उसी पर कांग्रेस ने यूपीए का नेतृत्व करके दस साल तक देश पर राज किया। अटल जी ने अपने उदारवादी रवैये से देश के बाहर भी भारत का मान बढ़ाया। भारत की विदेश नीति को नयी बुलन्दियां दी। नयीं उम्मीदें दी पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के साथ संबधो को बेहतर बनाने के लिए मोहब्बत की नगरी में लाल किने विछवायी वे साफ दिल के सच्चे व सहज इंसान है। पाकिस्तान का दोहरा चरित्र नही समझ सके। तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री अटल जी के प्यार भरे दिल की भावनाओं से खेलने वाले मुशर्रफ ने घात किया और दुश्मनी का छुरा कारगिल के रुप में भारत की पीठ में घोंप दिया। लेकिन अटल जी ने इस जंग को भी जीतकर पाकिस्तान को यह दिखा दिया है कि प्यार-मोहब्बत के आगे दुश्मनी हमेंशा हारी है। अटल जी ने एक अच्छे राजनेता की सभी मर्यादाओं को जीते हुए भारत को विकास का पाठ भी पढ़ाया। वह एक योग्य अच्छे राजनेता होने के साथ एक अच्छे इंसान, एक अच्छे कवि और एक समर्पित देशवासी रहे है। भारत रत्न तो वह थे, है और रहेगें। लेकिन आज उन्हें भारत रत्न का सम्मान देकर राष्ट्र स्वंय को गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

'अटल' कविताओं के अंश

उनकी कविताओं का संकलन 'मेरी इक्यावन कविताए' खूब चर्चित हुई, जिसमें.... हार नही मानूगां, रारा नही ठानूगां.... खास चर्चा में रही। यह कविता उनकें राजनैतिक जीवन की विवशता और दायित्वों और जीवन संघर्ष की ओर इशारा करती है। देश के सत्ता की बागडोर उन्होंने दो बार संभाली। राजनीति में संख्या बल का आंकड़ा सर्वोपरी होने से 1996 में उनकी सरकार सिर्फ एक मत से गिर गई और उन्हें प्रधानमंत्री का पद त्यागना पड़ा यह सरकार सिर्फ तेरह दिन तक रही इसके बाद प्रधानमंत्री रहे लाल बहादुर शास्त्री जी की तरफ से दिए गए नारे 'जय जवान जय किसान' मे एक नारा अलग से 'जय विज्ञान' भी जोड़ा देश की सामरिक सुरक्षा पर उन्हें समझौता गंवारा नही था। वैश्विक चुनौतियों के बाद भी राजस्थान के पोखरण में 1998 पांच परमाणु परीक्षण किए गए। इस परीक्षण के बाद अमेरिका, आस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों की तरफ से भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगा दिया गया।

'अटल' कविताओं के अंश

हार नही मानूगां
हार नही मानूगां, रार नही ठानूगां
काल के कपाल पर लिखता-मिटता हूं
गीत नया गाता हूं.....

..... ठन गई! मौत से...
ठन गई! मौत से ठन गई!
जूझने का मेरा इरादा न था,
मोड़ पर मिलेगें इसका वादा न था

...मगर हम झुक नही सकते
हम निहत्थे, शत्रु है सन्नद्ध, शस्त्र से सज्ज
दांव पर सब कुछ लगा है रुक नही सकते
टूट सकते है मगर हम झुक नही सकते

...मनाली मत जइयो....
मनाली मत जाइयो गोरी राजा के राज में
जइयो तो जइयो, उड़िके मत जाइयों
अधर में लटकिहौ, वायुदूत के जहाज में

को भारत रत्न

मालवीय जी का जन्म इलाहाबाद में 25 दिसम्बर 1861 को पं. ब्रजनाथ व मूनादेवी के यहाँ हुआ था। वे अपने माता-पिता से उत्पन्न कुल सात भाई बहनों में पाँचवें पुत्र थे। मध्य के मलावा प्रान्त से प्रयाग आ बसे उनके पूर्वज मालवीय कहलाते थे। आगे चलकर यही जातिसूचक नाम उन्होंने भी अपना लिया।

आजादी की लड़ाई मे योगदान- असहयोग आंदोलन के चतुर्सूत्री कार्यक्रम में शिक्षा संस्थानों के बहिष्कार की मालवीय जी ने खुलकर विरोध किया, जिसके कारण उनके व्यक्तित्व के प्रभाव से हिंदू विश्वविद्यालय पर उसका अधिक प्रभाव नही पड़ा। 1921 ई0 में कांग्रेस के नेताओं तथा स्वंयसेवको से जेल भर जाने पर वाइसराय लॉर्ड रीडिंग को प्रान्तो में स्वशासन देकर गान्धीजी से संधि कर लेने को मालवीय जी ने भी सहमत कर लिया था, परन्तु 4 फरवरी 1922 के चौरीचौरा काण्ड ने इतिहास को पलट दिया। गांधी जी ने बारदौली की कार्यकारिणी में बिना किसी से परामर्श किये सत्याग्रह को अचानक रोक दिया। इससे कांग्रेस में असन्तोष फैल गया। गांधीजी स्वयं भी 5 साल के लिये जेल भेज दिये गये। इसके परिणामस्वरुप 61 वर्ष के बूढ़े मालवीय ने पेशावर से डिब्रूगढ़ तक तूफानी दौरा करके राष्ट्रीय चेतना को जीवित रखा। हिंदी भाषा के उत्थान में मालवीय जी की भूमिका ऐतिहासिक है। भारतेंदु हरिश्चंद्र के नेतृत्व में हिंदी गद्य के निर्माण में संलग्न मनीषियों में 'मकरंद' तथा 'झक्कड़सिंह' के उपनाम से विद्यार्थी जीवन में रसायन काव्य रचना के लिये ख्यातिसिंह मालवीय जी ने देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा को पश्चिमोत्तर प्रदेश व अवध के गर्वनर सर एंटोनी मैकडोनेल के सम्मुख 1898 ई0 में विविध प्रमाण प्रस्तुत करके कचहरियों मे प्रवेश दिलाया। जानकारो के अनुसार इस आर्थिक विपन्नता के कारण ही बीए करने के बाद वे एक सरकारी स्कूल में 40 रुपए मासिक वेतन पर पढ़ाने लगे। यही दौर था जब महामना ने राष्ट्र सेवा के साथ ही नवयुवकों के चरित्र निर्माण और भारतीय संस्कृति की जीवंतता बनाए रखने के लिए काशी में एक विश्वविद्यालय बनाने का निश्चय किया। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से पहले उन्होने इलाहाबाद में 1889 में भारती भवन पुस्तकालय और 1918 में सेवा समिति विद्या मंदिर इंटर कालेज की स्थापना की। इलाहाबाद में ही उन्होंने हिन्दू हॉस्टल भी बनाया था। महामना के बड़े बेटे रमाकांत मालवीय का आवास स्वतंत्रता आंदोलन का बड़ा केंद्र हुआ करता था। 16 हैमिल्टन रोड स्थित आवास जो अब 24 अमरनाथ झा मार्ग के रुप में जाना जाता है, वहां स्वतंत्रता आंदोलन के बड़े-बड़े नेताओं का जमावड़ा होता था।

मदन मोहन मालवीय

1. 1916 में प्रतिष्ठित बनारस हिंदु विश्वविद्यालय की स्थापना की, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे।
2. सत्यमेव जयते के प्रचार में अहम भूमिका, अंतिम सांस तक स्वराज्य के लिए कई काम किए।
3. भारत के पहले और अंतिम व्यक्ति, जिन्हें 'महामना' की उपाधि से सम्मानित किया गया।
4. चौरी-चौरा काण्ड में 170 दो … में से 151 को मालवीय जी ने छुड़ाया
5. मालवीय जी ने अंतिम सांस तक स्वराज्य के लिये कई काम किये

7. मृत्यु 12.11.1946

महान शिक्षक थे महामना

आजादी के सेनानी

आजीवन आजादी और स्वराज्य के लिए कार्य किया। आजादी की लड़ाई की अगुआ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने चार बार अपना सभापति निर्वाचित किया। पहली बार 1909 में, दूसरी बार 1918 में, तीसरी बार 1931 में चौथी बार 1933 में। इससे पहले 1886 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में काउंसिलो में प्रतिनिधित्व का मुद्दा उठाया था। बाद में 1921 में इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल के सदस्य बनें। यह 1919 में सेंट्रल लेजिस्लेटिव अंसेबली बन गया जिसमें 1926 तक रहें । 1930 में सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान गोलमेज सम्मेलन में प्रतिनिधि बने।

सफल संपादक

कालाकांकर के राजा रामपाल सिंह के अनुरोध पर उनके हिंदी-अंग्रेजी अखबार हिन्दुस्तान का सन् 1887 में संपादक शुरु किया और ढाई साल तक करते रहे। सन् 1907 में कुछ समय तक साप्ताहिक अभ्युदय का संपादक किया। सन् 1909 में सरकार समर्थक अखबार पायोनियर के जवाब में इलाहाबाद से दैनिक लीडर अखबार का प्रकाशन शुरु किया। अगले वर्ष ही मर्यादा पत्रिका निकाली। इसके बाद सन् 1924 में दिल्ली पहुंच कर अंग्रेजी अखबार हिन्दुस्तान टाइम्स को सुव्यवस्थित किया।

विवाह पंजीकरण में गरीबों से शुल्क नही

साल भर के भीतर पंजीकरण न होने पर लगेगा जुर्माना, कमिश्नर होंगे विवाह रजिस्ट्रीकरण आयुक्त और डीएम उप महारजिस्ट्रार

प्रदेश सरकार ने विवाह पंजीकरण के लिए नियमावली तैयार कर ली है। इसमें गरीबी रेखा से नीचे आने वाले लोगों से कोई शुल्क नही लिया जाएगा। इसके अलावा साल भर में विवाह का पंजीकरण न कराने पर आवेदकों से जुर्माना भी लिया जाएगा। मंडलायुक्त और डीएम पर इसके पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी होगी जो क्रमशः विवाह रजिस्ट्रीकरण आयुक्त और उप महारजिस्ट्रार पदों का दायित्व भी संभालेंगे।

होगी महानिदेशक की नियुक्ति

वर्तमान में प्रदेश में विवाह के पंजीकरण की अनिवार्यता नही है। नियमावली के बाद ऐसा करना जरुरी हो जाएगा। उच्च न्यायालय में पिछलें दिनों राज्य के महिला एवं बाल विकास अनुभाग की ओर से इसे पेश किया गया है। इसमें प्रदेश में महानिदेशक विवाह रजिस्ट्रीकरण पद का प्रावधान किया गया है जिस पर किसी वरिष्ठ सरकारी अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी। हर जिले में विवाह रजिस्ट्रार होंगे जिनके अधीन ब्लाक में विवाह उप रजिस्ट्रार कार्य करेंगे।

अब आप करा सकेंगे दस्तावेजों की जांच

विवाह पंजीकरण के लिए सौ रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है लेकिन गरीबी रेखा के नीचे आने वालों को कोई शुल्क नही देना होगा। यदि एक साल के बाद विवाह का पंजीकरण कराया जाता है तो इसके लिए एक हजार रुपये जुर्माना देना होगा। गरीबी रेखा से नीचे वालों पर यह जुर्माना ढाई सौ रुपये होगा। विवाह के लिए प्रयुक्त किए गए दस्तावेजों की जांच का प्रावधान भी किया गया है। कोई भी व्यक्ति आवेदन करके इसकी छानबीन करा सकता है, हालांकि इसके लिए ढाई सौ रुपये का शुल्क देना होगा। स्थानीय रजिस्ट्रार को छानबीन कराने का अधिकार होगा। यदि मिथ्या दस्तावेजों प्रस्तुत किए गए होंगे तो विधि के अनुरुप कार्यवाही की जाएगी।

तीन महीने के भीतर करना होगा अपील-

विवाह के पंजीकरण के सम्बन्धित स्थानीय रजिस्ट्रार के किसी भी फैसले के विरुद्ध उप महारजिस्ट्रार के समक्ष तीन माह के भीतर अपील की जा सकेगी। यदि पर्याप्त आधार मिले तो विलम्ब की अनदेखी भी का जा सकती है। बशर्ते उप महारजिस्ट्रार इससे संतुष्ट हो साठ दिनों के भीतर ऐसी अपील पर सुनवाई और निपटारा करना होगा। इसके बाद महानिदेशक के यहां पुनरीक्षण की अपील का जा सकेगी। नियमावली में विवाह पंजीयन से जुड़े सभी पदों के दायित्व और कर्तव्य को भी विस्तार से बताया गया है। फिलहाल इसे अभी मंत्री परिषद की मंजूरी का इंतजार है। उल्लेखनीय है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कुछ दिनों पहले ही राज्य सरकार को विवाह पंजीकरण नियमावली तैयार कर लागू करने लिए तीन माह का समय दिया है।

जब आप अपनी पढ़ाई पूरी करके किसी संस्थान या कॉलेज से निकलते है तो आपको सिर्फ जॉब की चिन्ता रहती है लेकिन आज कंपनियों की क्या डिमांड होती है बहुत सारे कैंडीडेट को नही मालूम होता है कि आज कोई भी कंपनिया हमे क्यों सिलेक्ट करे क्योंकि उन्हे तो वो कैंडीडेट की जरुरत होती है जिसमे कुछ कर गुजरने की चाहत होती है जो कंपनी के लिये बहुत अच्छा साबित हो और खुद भी अपने करियर को आगे ले जाये आईये जानते है कि कोई कैंडीडेट को जॉब पाने के लिये किन-किन चीजों की जरुरत होती है जिससे कि वो आसानी से जॉब पा सके....

स्किल्स से मिलता मिलता है बड़ा सैलरी पैकेज

हैदराबाद की स्टूडेंट और दिल्ली की रहने वाली प्रिया मिश्रा को जब इस वर्ष सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक द्वारा 2 करोड़ रुपये सालाना का ऑफर दिया गया, तो किसी को विश्वास ही नही हुआ क्योंकि कई वर्षों की मंदी के दौर के बाद हैदराब-ाद के स्टूडेंट को इस वर्ष बड़े सैलरी पैकेज ऑफर हो रहे है।उल्लेखनीय है कि इस वर्ष हैदराबाद मद्रास के आईटी स्टूडेंटस की मार्केट में काफी मा-ंग रही है, जिन्हे 90 लाख रुपये तक के सैलरी पैकेज ऑफर हुए। अगर एमएनसी को छोडड़ दे, तो भारत मे ही उन्हे 40 लाख तक के सैलरी पैकेज ऑफर हुए। इसके अलावा हैदराबाद की आईआईपीएम और कानपुर के स्टूडेंट्स को भी 1.20 करोड़ तक के सैलरी पैकेज ऑफर किए गए। यदि शीर्ष मैनेजमेंट संस्थानों की बात करे तो आईआईएम-ए के स्टूडेट्स को 1.10 करोड़ तक के ग्लोबल और 56 लाख तक के डोमेस्टिक सैलरी पैकेज ऑफर किए गए।

स्किल्स से बढ़ती है डिमांड

हालांकि ऐसा बिल्कुल नही है कि आईआईएम एवं आईआईटी सरीखे संस्थानो के हर स्टूडेंट को बड़ार सैलरी पैकेज मिलता है। ग्लोबलाइजेशन के वर्तमान दौर में सैलरी पैकेज और रिक्रूटमेंट के मानक भी बदल गए है। आज बड़ी सैलरी पाने के लिए चाहिए जरुरी स्किल (कौशल) ऐसी स्किल्स होने पर निजी एवं छोटे संस्थानो से पासआउट होने वाले स्टूडेंट्स को भी अच्छे जॉब ऑफर हासिल हो रहे है। अच्छा सैलरी पैकेज और जॉब ऑफर पाने के लिए आज के समय में किस तरह की स्किल्स जरुरी है, इसके बारे में आशा खबर की एक रिपोर्ट।

बेसिक कंप्यूटर नालेज होना चाहिए

किसी बिजनेस की केवल ही ऐम होता है लो मार्-जन के मॉडल के इस दौर में कोई भी कंपनी नई मैनपावर की ट्रेनिंग पर अधिक पैसे नही खर्च करना चाहती है। प्रत्येक कंपनी यह चाहती है कि वह तकनीकी रुप से दक्ष व्यक्ति को ही नियुक्त करे, जिससे कंपनी के समय और पैसे की बचत हो और कंपनी अपने कॉस्ट कटिंग के फार्मूले पर अमल कर सके। इसलिए यदि आप एमएस ऑफिस टूल्स, सी-प्रोग्रामिंग, नेटवर्किंग और इंटरनेट पीडीएफ एडिटिंग और सॉफ्टवेयर इंस्टालेशन जैसी सामान्य प्रक्रियायों से परिचित है, तो यह शानदार जॉब ऑफर पाने में आपके लिए सहायक हो सकता है।

कम्युनिकेशन स्किल होना चाहिए

बड़े पैकेज वाली जॉब पाने के लिए कम्युनिकेशन स्किल बेहद जरुरी है। यही वह टूल है, जिसकी मदद से आप अपनी प्रतिभा और कौशल के बारे मे सामने वाले को कनविंस करने मे कामयाब हो सकते है। अच्छी कम्युनिकेशन स्किल होने के लिए अच्छा श्रोता ही अच्छा वक्ता हो सकता है सुनने के बाद सोचने की प्रक्रिया को प्रारंभ करना और दूसरों को समझना एक अच्छा कम्युनिकेटर होने के लिए आवश्यक है। आपको देखकर लगे कि आप सामने वाले की बातों को सुनने में पूरी तरह से दिलचस्पी ले रहे है। इसके अलावा आपकी आवाज तथा उच्चारण पूर्णतया स्पष्ट होना चाहिए। आत्मविश्वास दिखना बहुत जरुरी है। पहली बार मिलते वक्त हल्की सी मुस्कान जरुर रखे और इंटरव्यू के दौ-रान भी एक फ्रेंडली व्यवहार रखें।

टाइम मैनेजमेंट

अक्सर कहा जाता है कि समय ही सबसे बड़ा धन है। आज के प्रतिस्पर्धी दौर में प्रत्येक कंपनी टाइम मैनेजमेंट में माहिर व्यक्ति को ही प्रोत्साहित कर रही है। आजकल टाइम बाक्सिंग जैसी टाइम मैनेजमेंट तकनीक काफी लोकप्रिय हो रही है। टाइम मैनेजमेंट के लिए हमें अपने सभी कार्यों को दौ-निक, साप्ताहिक, मासिक पत्रिका, वार्षिकी में बाट लेना चाहिए, जिससे कार्यो का संपादन बिना किसी गलती के आसानी से किया जा सके।

हो सके तो विदेशी भाषा की जानकरी रखें

ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में अंग्रेजी के अतिरिक्त किसी भी विदेशी भाषा की जानकारी आपको एक अच्छी जॉब दिलवाने में सहायक हो सकती है। एमबीए के स्टूडेट्स को स्पैनिश, जर्मन, फ्रेंच आदि मे से किसी लैंग्वेज की नॉलेज अच्छा पैकेज दिलाने में आपकी काफी मदद कर सकता है। क्योकि इस ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में यह आपकी काफी मदद कर सकता है।

धिक्कार

पेशावर के आर्मी स्कूल में आतंकियों का खूनी खेल

सिडनी कैफे बंधक संकट अभी 24 घंटे भी नही बीते ही थे कि पाकिस्तान के पेशावर में तालिबानी आतंकियों ने सैन्य स्कूल में अंधाधुंध गोलियां बरसाकर 132 बच्चो समेत 141 लोगो की जान ले ली पिछले दिनों भारत के कैलाश सत्यार्थी के साथ शांति के नोबेल से नवाजी गई मलाला यूसुफजई के देश पाकिस्तान में हृदय विदारक घटना घटित हो गयी। जघन्य घटना के लिए पुरी दुनिया के आंसू नही थम रहें है। घटना को अंजाम को कुबूलते हुए टीटीपी की जुबां जरा भी नही लड़खड़ाई हमले में सभी सात आंतकी मारे गए आतंकियो मे से चार ने खुद को बम से उड़ा दिया वही तीनों को पुलिस ने मार डाला गया और आंतकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान ने नवाजशरीफ सरकार के वेस्ट वजीरिस्तान में आतंकियो के खिलाफ कार्यवाही का बदला इन मासूम छात्रों से लेने कि बात कही है। चश्म दीदों की माने तो कायर आतंकियों ने 20-30 छात्रों को कतार में खड़ा कर-करके सिर में गोली मार दी अध्यापिका का पहले गला काटा और फिर छात्रों के सामने ही उसे जला डाला मारे गये छात्र आठवी से लेकर दसवी कक्षा तक के थे। आर्मी पब्लिक स्कूल में दाखिल हुए आतंकियों ने सेना को रोकने के लिए कई बच्चों को बंधक बनाकर मानव ढाल की तरह इस्तेमाल किया नरसंहार के वक्त स्कूल में करीब 1100 बच्चे और शिक्षक मौजूद थे। आंतकी स्कूल से सटे एक कब्रिस्तान के रास्ते स्कूल में दाखिल हुये होगें। आतंकी लंबी लड़ाई के इरादे से आए थे। उनके पास खाने-पीने का काफी समान था वे बच्चो को मारने के मकसद से ही स्कूल में घुसे थे स्कूल में घुसते ही आडी टोरियम और एगजाम हॉल को निशाना बनाते हुए अंधा धुध गोली बारी की ज्यादातर बच्चे इन्ही जगहो मे मारे गये स्कूल सेक्शन की बनाये कॉलेज सेक्शन में धावा बोला आतंकी पाकिस्तान फौज के जवानों के बच्चो की पहचान कर उन्हे निशाना बना रहे थे। आंतकी हमला करते समय सैन्य कार्यवाही से बचनें के लिये रसद हाथियारों से लैस पहुॅचे थे बचने के लिये ढाल के रुप में बच्चों का इस्तमाल करने का मनबना रखा था आपरेशन में पाकिस्तान सेना की क्विक रिस्पांस टीम शामिल थी सेना की जवाबी कार्यवाही के बाद आतंकी स्कूल की मुख्य इमारत से हटकर प्रशासनिक कार्यालय में गए इससे स्कूल की मुख्य इमारत से बच्चो को निकाला जाने लगा दहशत के मारे तमाम स्कूली।

आंतक का दर्द- बच्चें सहित 1100 स्कूल कर्मी मौजूद रहें मृतको मे एक शिक्षिका चौकीदार सहित 141 लोगो की मृत्यु हुई इस दर्द भरी घटना एवं जनाजें में गली एवं मोहल्ले तथा मूल्क सहित विश्व के सभी राष्ट्र ने इस घटना की घोर निदां की है।

आंतक के प्रभाव से 245 लोग इस घटना से घायल हुये।

मोदी ने नवाज शरीफ से फोन पर वार्ता कर और घटना की प्रति संवेदना व्यक्त किया है और अपनी तरफ से आतंक के खिलाफ लड़ाई में हर संभव मदद करने की पेशकश की हे। मोदी ने अपने भारतीयो से ये अपील की है कि वे अपने-अपने स्कूलो में दो मिनट की मौन शान्ति कर घटना के प्रति अपना दुख प्रकट करे।

1100
बच्चे थे स्कूल में

960
लोगो को बचाया गया

122
हुए घायल

16
धमाके हुए

07
आतंकी ढेर

03
दिन का शोक

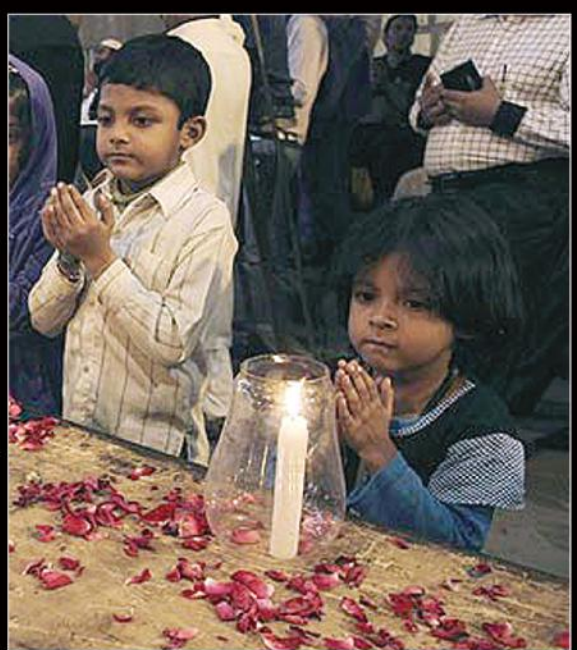

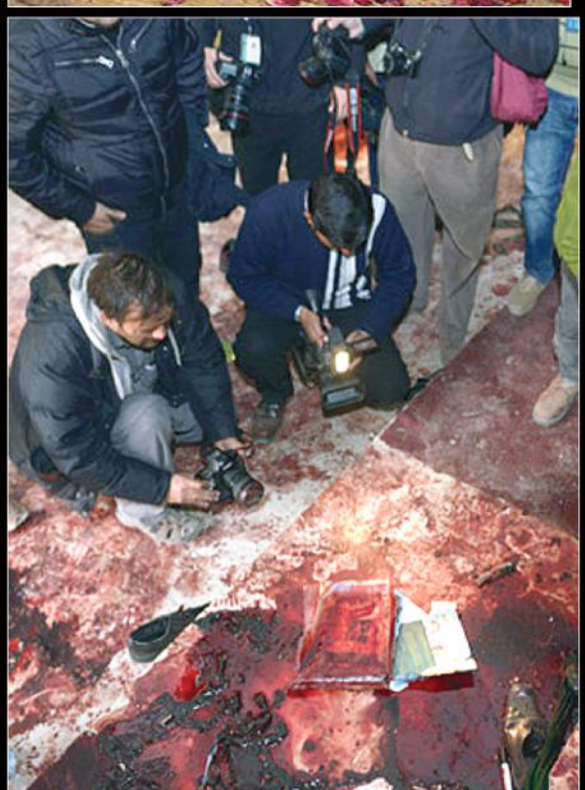

दुनिया में कब -कब हुए बच्चो पर हुए हमले

1986 मई में अमेरिका के क्योमी राज्य में एक दंपत्ति ने कोकेविल्ले स्कूल में लगभग 150 लोगो को बंधक बनाया था, जिनमें 136 बच्चे थे। 79 लोग इस घटना में जख्मी हुए थे।

2004 में रुस के बेसलान शहर में चेचन्या विद्रोहियों ने एक स्कूल पर कब्जा कर 1,100 लोगो को बंधक बनाया था, जिनमें 777 बच्चे थे। हमलावर चेचेन्या की आजादी की मांग कर रहे थे। तीन दिन बाद रुसी सेना ने स्कूल पर कब्जा किया पर 186 बच्चो समेत 385 बंधक मारे गए।

2012 में अफगानिस्तान ने तालिबान के स्कूल पर हमला किया जिसमें 120 छात्राओं और शिक्षिकाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

2014 फरवरी में रुस के मॉस्को में 15 साल के लड़के ने 29 स्कूली बच्चों को बंधक बना लिया था। एक शिक्षक और एक सुरक्षा गार्ड की मौत हुई थी।
पाकिस्तान में कब-कब बच्चो पर हुए हमले

2002 अगस्त में मूर्री में एक मिशनरी स्कूल पर आतंकियो ने किया हमला 16 लोगो की मौत।

2008 जनवरी में आतंकियो ने पश्चिमोत्तर सीमांत प्रांत में 250 बच्चो को बंधक बनाया हमलावरो ने आत्मसमर्पण किया कोई बच्चा हताहत नही हुआ।

2009 में स्वात घाटी में एक गर्ल स्कूल के पास हुए एक धमाके में 12 स्कूली बच्चो की मौत हुई।

2011 सिंतबर मे 35 स्कूली बच्चो को तालिबान ने अफगानिस्तान में बंधक बनाया। बच्चें गलती से सीमा पार हुए थे इन्हें 5 माह बाद छोड़ा।

2011 सितंबर मे पेशावर के पास स्कूल बस पर हमला 3 बच्चो समेत एक शिक्षक की मौत।

2013 जूल माह में पश्चिमोत्तर प्रांत के एक शिया स्कूल पर हमले में 14 लोगो की मौत, कई घायल।

2014 जनवरी में एक आत्मघाती हमलावर ने पश्चिमोत्तर प्रांत के स्कूल के बाहर हमला किया, दो बच्चो की मौत।

2014 अक्टूबर में खैबर जिले में एक बालिका प्राथमिक विद्यालय पर आतंकियों ने किया हमला, कोई हताहत नही।

विजय पथ पर

झारखंड में 14 वर्षों में पहली बार बहुमत वाली सरकार, जम्मू-कश्मीर में त्रिशंकु विस

लोकतंत्र के महासमर में नरेंद्र मोदी का रथ विजय पथ पर चलना जारी है। उनके नेतृत्व में पहले राष्ट्र। फिर महाराष्ट्र और हरियाणा अब झारखंड और जम्मू-कश्मीर में भी भाजपा ने इतिहास रचा। झारखंड 42 सीटें जीतकर भाजपा गठबंधन जहां सरकार बनाने जा रहा है। वही मुस्लिम बहुल जम्मू-कश्मिर की त्रिशंकु विधानसभा में भाजपा नासिर्फ पीडीपी के बाद दूसरे नंबर की पार्टी बनी बल्कि सरकार गठन में अहम भूमिका निभाएगी। दोनो राज्यों में कांग्रेस चौथे नंबर पर सिमटी है। वहीं झारखंड में जनता परिवार का सफाया हो गया है। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने सरकार बनाने या बनवाने के सभी विकल्प खुले रखने की बात कर जम्मू-कश्मिर को लेकर रहस्य और बढ़ा दिया है। दोनों के लिहाज से मोदी-शाह की जोड़ी ने नई ऊंचाई को छुआ । झारखंड में पहली बार चुनाव पूर्व गठबंधन ने बहुमत का आंकड़ा पार किया है। वहीं जम्मू-कश्मिर में भी भाजपा ने 25 सीटें लेकर राज्य की सियासत में प्रभावी स्थान बनाया। हालांकि सभी सीटें जम्मू से ही है।

जम्मू-कश्मिर पर निगाहें - भाजपा को घाटी में खाता न खोल पाने का मलाल जरुर होगा। लोकसभा चुनाव की तरह लेह-लद्याख में अपना पुराना प्रदर्शन न दोहरा पाने की समीक्षा भी उसे करनी होगी। जम्मू-कश्मिर में सबसे ज्यादा मत प्रतिशत बांटकर और घाटी में भी कई सीटों पर अच्छा वोट लेना बड़ी उपलब्धि है। देश के सबसे अशांत इलाके में भी कमल खिलना शुभ संकेत है। भाजपा इससे पहले अधिकतम 11 सीटों तक इस राज्य में पहुंची थी। इस दफा 25 सीटों और 23 फीसदी से ज्यादा वोट पाकर उसने मतों की संख्या के लिहाज से नंबर एक पार्टी पीडीपी (28 सीटों) को भी पीछे छोड़ दिया है।

सरकार का गणित रोचक- सरकार बनाने के विकल्पों में सबसे आसान विकल्प भाजपा (25)-पीडीपी (28) का है। यदि ये दोनो मिल जाएं तो आसानी से बहुमत के आंकड़े 44 से काफी ज्यादा हो जाते है। इसके अलावा विकल्पों में भाजपा नेशनल कांफ्रेस (15) और अन्य (7) है। यदि पीडीपी और कांग्रेस (12) व अन्य मिल जाएं तो तीसरा विकल्प यह हो सकता है। पीडीपी और नेशनल कांफ्रेस का एक होना मुश्किल है, पर अंतिम विकल्प यह भी है।

बहुमत का बनवास खत्म - झारखंड के जन्म के बाद से बहुमत वाली सरकार का 14 साल का बनवास जैसे इस दफा पूरा हुआ। झारखंड में भाजपा में भाजपा को अपने बूते 37 और 5 सीटों उसकी सहयोगी आजूस को मिली है। संयुक्त विपक्ष के अभाव मे भाजपा 30 फीसदी से ज्यादा वोट पाकर आसानी से सत्ता की लड़ाई जीत गई। कांग्रेस का बुरा प्रदर्शन यहां भी जारी रहा। मात्र छह सीटे मिली वही मोदी के खिलाफ राष्ट्रव्यापी मोर्चा तैयार करने की कोशिश में जुटे राजद और जद (यू) तो यहां खाता भी नही खोल सके। हालांकि, इस लड़ाई में झामुमों के नए चेहरे हेमंत सोरेन ने अपना लोहा जरुर मनवाया। वह मोदी की इस आंधी में भी 18 सीटें लेकर आए, जबकि राज्य के पहले मुख्यमंत्री बाबू लाल मरांडी की झाविमो कुछ खास नही कर सकी। खुद मरांडी दो जगह से चुनाव नही जीत पाए। यद्यपि उनको पार्टी को आठ सीटें मिल गई।

आदिवासी सीएम संभव- आदिवासी चरित्र के इस राज्य में अब मुख्यमंत्री को लेकर कयासबाजी का दौर तेज है। संभावनाएं गैर आदिवासी मुख्यमंत्री की ज्यादा है। ऐसा इसलिए भी है कि महाराष्ट्र और हरियाण में भाजपा ने परंपराओं को तोड़ा है।

झारखंड में भाजपा की जीत के प्रमुख कारण

1. मोदी की लहर- लोकसभा में भाजपा ने राज्य की 14 में से 12 सीटें जीतीं और 58 विधानसभा क्षेत्रों में उसे बढ़त मिली। यह बढ़त विधानसभा चुनावों में भी कमोबेश बरकरार रही।

2. विकास का वादा- भाजपा ने विकास का नारा दिया। प्रचुर प्राकृतिक संपदा वाला यह राज्य बिहार से अलग होने के बावजूद पिछड़ा रहा। देश की जीडीपी में इसकी हिस्सेदारी महज 1.72 फीसद है।

3. स्थिरता का नारा- 14 साल पहले राज्य के अस्तित्व में आने के बाद से अब तक राज्य में स्पष्ट बहुमत वाली सरकार नही रही। अब तक नौ मुख्यमंत्री बने भाजपा ने इस बार स्थिर सरकार का नारा दिया।

4. चुनाव पूर्व गठबंधन- आजसू से भाजपा ने चुनाव पूर्व गठबंधन किया। इस बार भी आजसू ने आठ सीटों पर चुनाव लड़कर पांच सीटें जीती। दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ प्रत्याशी नही उतारे लिहाजा वोटो का बिखराव नही हुआ।

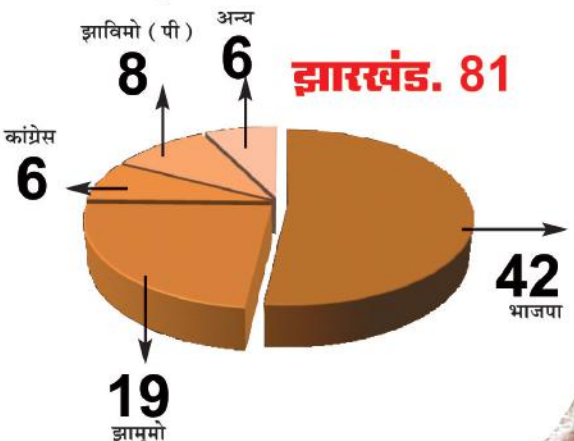

मोदी रथ

घाटी में त्रिशंकु रहा जनादेश

जम्मू-कश्मिर मे पीडीपी पहले नंबर पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) दूसरे नंबर पर और सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस तीसरे और चौथें स्थान पर रही है, सूबे में त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति में पीडीपी की अगुवाई में गठबंधन सरकार बनने की उम्मीद नजर आने लगी है, आतंकवाद प्रभावित इस इलाके की सीटों पर 1987 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है जब राज्य की जनता ने इतने ज्यादा उत्साह के साथ वोटिंग की थी।

मुख्यमंत्रियों व पूर्व मुख्यमंत्रियों की शामत

झारखंड और जम्मू-कश्मिर के चुनाव परिणाम मुख्यमंत्रियों और पूर्व मुख्यमंत्रियो के लिए बुरी खबर लेकर आए है, इन दोनो राज्यों में उनमें काइयो को हार का मुंह देखना पड़ा है।

उमर अब्दुल्ला- जम्मू-कश्मिर के सीएम उमर अब्दुल्ला सोनावार से चुनाव हार चुके है, हालांकि बीरवाह से अब्दुल्ला चुनाव जीत गए,

हेमंत सोरेन- दूसरे मुख्यमंत्री रहे हेमंत सोरेन को भी दुमका सीट पर हार का मुंह देखना पड़ा बीजेपी की लुईस मंरांडी ने उन्हें वहां से हरा दिया, दुमका शहरी क्षेत्र है और वहां आदिवासी आबादी उतनी नही है, लेकिन हेमंत सोरेन ने संथाल क्षेत्र की बरहेट सीट अपने निकटतम प्रतिद्वंदी हेमलाल मुर्मू को 23 हजार से अधिक मतो से हराकर जीत ली,

अर्जुन मुंडे- झारखंड के फॉर्मर सीएम अर्जुन मुंडा भी जेएमएम उम्मीदवार से चुनाव हार गए थे, तीन बार सीएम रहे अर्जुन मुंडा की लोकप्रियता में काफी कमी आई है।

बाबूलाल मरांडी- झारखंड के सबसे बढ़िया सीएम माने गए बाबूलाल मरांडी धनवार और अपने ही शहर गिरीडीह में हारे गए।

मधु कोड़ा- फॉर्मर सीएम मधु कोड़ा, जो निर्दलीय होकर भी राज्य के मुख्यमंत्री बने, हार के शिकार हो गए, उन्हें मंझगाव में पराजय का मुंह देखना पड़ा।

पैथर्स की साइकिल हुई पंक्चर

जम्मू-कश्मिर विधानसभा चुनाव परिणामों में पैथर्स पार्टी की साइकिल पूरी तरह से पंक्चर हो गई, तीनों निवर्तमान विधायकों समेत एक भी उम्मीदवार जीत नही पाया, पैथर्स की हार के साथ ही अब अगली विधानसभा में जम्मू केंद्रित कोई क्षेत्रीय दल नही होगा, इससे पार्टी को बहुत बड़ा झटका लगा है रामनगर से पैथर्स पार्टी के उम्मीदवार हर्षदेव सिंह तीन बार विधायक रहे ऊधमपुर से बलवंत सिंह मनकोटिया और सांबा से यशपाल कुंडल दो दो बार विधायक रहें लेकिन इस बार उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा हर्षदेव सिंह लगातार तीन बार विधानसभा के लिए चुने गए, अलग जम्मू राज्य के लिए संघर्षरत पैथर्स को जनता ने इस बार नकार दिया।

झारखंड. 87

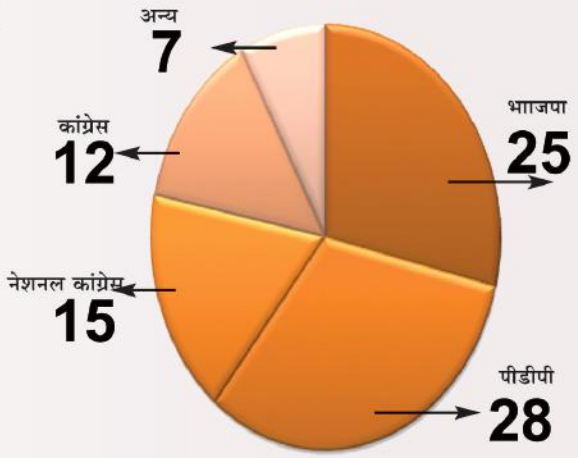

सबसे छोट व सबसे बड़ी जीत

झारखंड में सबसे कम अंतर से जीत

पौलुस सुरीन (झाममो) तोरपा विस सीट 43 वोट कोचे मुंडा (भाजपा) को हराया

कमल किशोर भगत (आजसू)लोहरदगा विस सीट 592 सुख देव भगत (कांग्रेस) को हराया

अनंत कुमार ओझा (भाजपा) राज महल विस सीट 702 वोट मोहम्मद ताजूदीन (झामूमो) को हराया

सबसे ज्यादा अंतर से जीता

विरंची नारायण (भाजपा) बोकारो विस सीट 72643 वोट समरेश सिंह (निर्दलीय) को हराया

रघुवर दास (भाजपा) जमशेदपुर पूर्व विस सीट 70157 आंनद बिहारी दुबे (कांग्रेस) को हराया

राज कुमार पहन (भाजपा) खिजरी विस सीट 64912 वोट से सुदंरी तिरकी (कांग्रेस) को हराया

जीतु चरण राम (भाजपा) काकें विस सीट 59804 वोट से सुरेश बैठा (कांग्रेस) को हराया

हरी कृष्ण सिंह (भाजपा) मनीका विस सीट 1083 वोट राम चंद्र सिंह (राजदा) को हराया

अरुप चटर्जी (मार्क्सवादी समन्वय) निरस विस सीट 1035 वोट गणेश मिश्रा (भाजपा) को हराया

जम्मू- कश्मीर में भाजपा को मिले 14991 अधिक वोट

जम्मू-कश्मीर में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिली। पीडीपी 28 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। इसके बावजूद25 सीटें जीतने वाली भाजपा को उससे14991 वोट अधिक मिले हैं।

पार्टी	मत
भाजपा	1107194
पीडीपी	10982203
नेकां	1000693
कांग्रेस	0867883
निर्दलीय	0329881
पीपी	0095941

सारदा चिटफंड घोटाले के प्रमुख अभियुक्त कुणाल घोष के ममता बनर्जी समेत अन्य प्रभावशाली लोगों को ले कर किए गए खुलासे इस बात की ओर घोटाले के तालाब की बड़ी मछलियां अभी भी कानूनी जाल से बाहर है ।

सारदा चिटफंड घोटाला जांच

बड़ी मछली की बारी

कोलकत्ता के प्रेसीडेंसी जेल में बंद सारदा चिटफंड घोटाला मामले के अभियुक्त व तृणमूल कांग्रेस के बहिष्कृत सांसद कुणाल घोष ने 14 नवंबर को 5 मिलीग्राम की एलजोलम नामक नींद की 54 गोलिया खा कर आत्महत्या करने की कोशिश की थी. इस से पहले कुणाल ने अदालत में सुनवाई के दौरान सारदा ग्रुप से आर्थिक फायदा उठाने वाले राज्य के अन्य प्रभावशाली व्यक्तियों की गिरफ्तारी न किए जाने पर आत्महत्या करने की धमकी दी थी, यानी कुणाल द्वारा घोषित रुप से आत्महत्या की यह कोशिश थी, जेल प्रशासन ने धमकी को गंभीरता से नही लिया था, सुबह इलाज के बाद अस्पताल से बाहर निकलते हुए कुणाल ने पत्रकारो से बात करने की कोशिश की तो पुलिस ने अति तत्परता के साथ रोक दिया, कुणाल को धक्का दिया गया और उन के मुंह पर पुलिस ने अपनी टोपी रख कर मुंह खोलने से रोक दिया.

हालांकि अगले दिन कुणाल अपनी बात पत्रकारों तक पहुंचाने में सफल रहे, सीबीआई की पूछताछ के लिए जाते समय कुणाल ने यह बयान दे ही दिया कि प्रत्यक्ष और परोक्ष रुप से सारदा चिटफंड से अगर किसी को अधिक लाभ हुआ है तो वे है ममता बनर्जी.

आत्महत्या की कोशिश से पहले सीबीआई को लिखे 4 पन्ने के पत्र मे कुणाल ने ममता बनर्जी, मुकुल राय, मदन मित्र, मुख्य सचिव संजय मित्र, मुख्यमंत्री के सचिव गौतम सान्याल, कोलकत्ता पुलिस कमिश्नर सुरजीत पुरकायस्त, विधाननगर पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार, 'प्रतिदिन' अखबार के मालिक व तृणमूल के पूर्व राज्यसभा सांसद स्वप्न साधन बोस और उन के बेटे व तृणमूल के वर्तमान राज्यसभा
सांसद सुंजय बोस जैसे तृणमूल के बड़े नेताओं के नाम लिए है, पत्र के अंत में कुणाल ने इसे सुसाइड नोट मानने का अनुरोध सीबीआई से किया था।

ममता पर सीधा निशाना

आत्महत्या की कोशिश से पहले भी पूछताछ के लिए सीबीआई दफ्तर आते जाते कुणाल ने पत्रकारों को अगाह करते हुए कहा था कि तृणमूल के 9 बड़ें नेताओं को, सारदा से आर्थिक लेन देन करके,

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका
आशा खबर
सच का दम

सब से अधिक लाभ हुआ है, लेकिन उन से पूछताछ नही की जा रही है, कुणाल का यह भी कहना था कि
सुदीप्त पहले आसिफ खान यह भी बयान दे चुका है कि 2009 से 2013 तक पार्टी के विभिन्न नेताओं के साथ उठने बैठने और उन के लिए चाय परोसने के दौरान उस ने जितना कुछ देखा, समझा और जाना वह सब सीबीआई को बता दिया है।

आसिफ खान ने तो यहां तक कह दिया कि सारदा का करोड़ो रुपया ममता बनर्जी के काफिलें में शामिल एंबुलैंस में भर कर हटा दिया गया है, गौरतलब है कि जांच में रुपए से भरे 10 सूटकेसों के गायब होने का मामला सामने आ चुका है,

ममता की पेंटिग्स सुदीप्त सेन को जबरन बेचे जाने का भी मामला सामने आया है, कुणाल से पूछताछ में जांच अधिकारियों को पता चला कि सृंजय बोस के दबाव मं सुदीप्त सेन को ममता की पेंटिग्स 180 लाख रुपए में खरीदनी पड़ी, मगर पेंटिग्स सुदीप्त सेन को कभी मिली नही. सारदा घोटाले के तार पूर्व वित्त मंत्री पी0 चिदंबरम से भी जुड़े दरअसल पी0 चिदंबरम की पत्नी नलिनी चिंदबरम असम के पूर्व कांग्रेसी सांसद मतंग सिंह की पूर्व पत्नी मनोरंजना सिंह की वकील के रुप में सारदा के मालिक सुदीप्त सेन के संपर्क में आई. मनोरंजना सिंह और मतंग सिंह ने पूर्वोत्तर में एक टीवी चैनल खोलने के लिए सुदीप्त पर दबाव बनाया इस के लिए मनोरंजना से 800 करोड़ रुपए के एवज में नलिनी चिदंबरम के जरिए एक करार हुआ. एक तरफ मनोरंजना सिंह ने नलिनी के जरिए सारदा को वित्त मंत्रालय से लाभ पहुंचाने का भरोसा दिया तो दूसरी तरफ नालिनी चिदंबरम ने डेढ़ साल तक तमाम कानूनी पक्षों से

निबटने के लिए 1 करोड़ रुपए हर महीने लेने का करार किया था मामले का खुलासा कुणाल द्वारा सीबीआई को

सारदा चिटफंड के आरोपी

सारदा चिटफंड में कई स्तर पर जांच का काम चल रहा है. राज्य सरकार द्वारा पुलिस के खुफिया विभाग, एसआईटी, न्यायिक जांच आयोग के अलावा सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सीबीआई जांच हो रही है, साथ ही, प्रवर्तन निदेशालय के गंभीर धोखाधड़ी जांच विभाग की ओर से अलग से जांच की जा रही है, इन जांच एंजेसियों ने समय समय पर सत्ताधारी पार्टी के नेताओं, विधायकों, सांसदो और पार्टी समर्थको से पूछताछ की है, पूछताछ के बाद कइयों की गिरफ्तारी हुई है, इस के अलावा कुछ नाम ऐसे भी है, जिन से पूछताछ के लिए दबाव बनाया जा रहा है।

92 पन्ने के पत्र में पहलें ही हो चुका था, लेकिन मालदह के पूर्व कांग्रेसी सांसद और पूर्व राज्यमंत्री अबु हसीम चौधरी ने 15 मार्च, 2012 को सारदा को आरबीआई के दायरे में लाने की मांग करते हुए एक शिकायतीपत्र लिखा था, लेकिन पी चिदंबरम और उन की पत्नी का नाम आने के बाद उन पर दबाव डाला गया, इस के बाद अबु हसीम चौधरी ने अपनी शिकायत वापस ले ली

बंगाल के मालदह से कांग्रेस सांसद और राज्यमंत्री अबु हसीम चौधरी ने सारदा ग्रुप के खिलाफ लिखी अपनी सारी शिकायतें वापस ले ली थी, चौधरी ने पहले सारदा ग्रुप के खिलाफ शिकायती चिट्ठी लिखी थी और कहा था कि इस चिटफंड कंपनी को आरबीआई के दायरे में लाना चाहिए, लेकिन 15 मार्च 2012 को उन्होंने अपनी शिकायत वापस ले ली.

सारदा ग्रुप औफ कंपनी से तृणमूल नेताओं के अलावा पार्टी के समर्थक फिल्मी हस्ती से ले कर पेंटर तक के खूब पैसा बटोरा, प्रर्वतक निदेशालय और सीबीआई के जांच के घेरे में अपर्णा सेन, मिथुन चक्रवर्ती और शुभाप्रसन्न भट्टाचार्य तक के नाम सारदा मीडिया की एक पत्रिका के संपादक के रुप मे और मिथुन चक्रवर्ती पर सारदा मीडिया के न्यूज चैनल के ब्रैड एंबैसेडर के रुप में हर महीनें एक बहुत ही मोटी रकम लेने का आरोप हे।

राज्य में सत्ता परिवर्तन के साथ वाम समर्थक माने जाने वाले मिथुन चक्रवर्ती ने पाला बदला और वे तृणमूल समर्थक बन गए, इस का फायदा उन्हें सारदा के वेतनभोगी के रुप मे मिला, वहीं सिगूरनंदीग्राम आंदोलन से जुड़ने के साथ अपर्णा सेन ने माओवादियों के साथ मध्यस्थता भी की थी।

इसी तरह नंदीग्रामसिंगूर आंदोलन के दौरान तृणमूल समर्थक पेंटर शुभाप्रसन्न भट्टाचार्य खूब फलेफूले. जांच से साफ हो गया है कि पहले वामपंथी और फिर तृणमूल समर्थक शुभाप्रसन्न ने सारदा का खूब दोहन किया. उन्होंने देवकृपा व्यापार प्राइवेट लिमिटेड नाम की एक फर्जी कंपनी को सुदीप्त सेन को बेचा. ममता के करीबी माने जाने वाले पेंटर ने सारदा से इस के अलावा भी खूब पैसा बटोरा. गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय अब तक शुभाप्रसन्न के 26 बैंक अकांउट फ्रीज कर चुका है. साथ ही मुबंई मे उन के 3 होटल और 2 फ्लैट को जब्त करने की प्रक्रिया शुरु हो चुकी है।

श्यामल सेन कमीशन

श्यामल सेन कमीशन की जांच अवधि को बढ़ाने से अक्टूबर में राज्य गृह विभाग ने इनकार कर दिया. गृह विभाग का कहना है कि चूंकि सारदा मामले की जांच सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है, इसलिए प्रताड़ितो को रकम लौटाने की जिम्मेदारी अब सरकार की नही है. इस से पहले सारदा की संपत्ति की बिक्री कर के श्यामल सेन कमीशन ने 17 लाख प्रताड़ित लोगो को पूंजी लौटाई. इन में से 5 लाख लोगों ने 10 हजार रुपए से कम की रकम सारदा में जमा की थीण

बरहाल, सरकार के इस फैसले के खिलाफ प्रताड़ित लोगों ने यह कहते हुए हाईकोर्ट में मामला दायर किया है कि श्यामल सेन कमीशन न केवल सारदा चिटफंड की जांच कर रहा था, बल्कि इस जैसी अन्य 108 कंपनियों की भी जांच कर रहा है, मामला अभी भी विचारधीन है।

सं	नाम	आरोप	कंपनी/पार्टी	पद
1	सुदीप्त सेन (गिरफ्तार)	सारदा घोटाले का मास्टरमांइड, लगभग0 200 फर्जी निजी कंपनियों के जरिए 17 लाख निवेशकों को चूना लगा कर तकरीबन 200-300 अरब रुपए के घोटाले का आरोप	सारदा ग्रुप औफ कंपनी	चेयरमैन और प्रबंध निदेशक
2	देवजानी मुखर्जी (गिरफ्तार)	सारदा घोटाले के मास्टरमांइड की सहयोगी	सारदा ग्रुप औफ कंपनी	सुदीप्त सेन की सहयोगी व सारदा ग्रुप की निदेशक
3	पियाली सेन (गिरफ्तार)	घोटाले से आर्थिक लाभ	सारदा ग्रुप औफ कंपनी	सारदा चिटफंड के मालिक सुदीप्त सेन की पत्नी
4	शुभाजीत सेन (गिरफ्तार)	घोटाले से आर्थिक लाभ	सारदा ग्रुप औफ कंपनी	सुदीप्त सेन का बेटा
5	ममता बनर्जी (पूछताछ के लिए दबाव)	रेलमंत्री रहते हुए आईआरसीटीसी भारतीयर्थ टूर पैकेज से प्राप्त रकमकी सारदा अकाउंट में जमा करने और सुदीप्त सेन को जबरन पेंटिंग्स बेचने व सारदा घोटाले के बारे में जानकारी होने का आरोप	तृणमूल कांग्रेस की मुखिया	पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री
6	कुणाल घोष (गिरफ्तार)	सारदा मीडिया के सीईओ के तौर पर 16 लाख रुपए प्रतिमाह और गाड़ी व पैट्रोल खर्च के बाबत डेढ़ लाख रुपए प्रतिमाह,बंग्ला न्यूज चैनल 'चैनल टेन' को जबरन 55 लाख रुपए में खरीदनें को मजबूर करने और सुदीप्त सेन को ब्लैकमेल करने का आरोप	पत्रकार, सारदा मीडिया के सीईओ	
7.	सृंजय बोस (गिरफ्तार)	60 लाख रुपए प्रतिमाह दैनिक 'प्रतिदिन' के लिए लेने का आरोप, 2 साल में 20 करोड़ रुपए भुगतान करने और बांग्ला न्यूज 'चैनल टने' को जबरन 55 लाख रुपए में खरीदनें को मजबूर करने का आरोप	दैनिक प्रतिदिन 'जागो बाग्ला' संपादक, तृणमूल कांग्रेस का मुखपत्र	तृणमूल राज्यसभा सांसद व संपादक
8.	अहमद हसन इमरान (पूछताछ)	प्रिवैंशन औफ मनी लौड्रिंग ऐक्ट के तहत मामला, हवाला के जरिए बांग्लादेश में अस्थिरता फैलाने के मकसद से हथियार और गोलाबारुद भेजने का आरोप	तृणमूल, 'कलम' पत्रिका के संपादक	तृणमूल राज्यसभा सांसद
9.	मुकुल राय (पूछताछ के लिए दबाव)	केंद्रीय जहाज मंत्री रहते हुए सारदा के सुदीप्त सेन से संबंध, आर्थिक लेनदेन, सुदीप्त सेन को फरार होने के मदद, फरार होने से पहले 5 अप्रैल, 2013 को निजाम पैलेस में सुदीप्त सेन के साथ बैठक	तृणमूल कांग्रेस	महासचिव
10.	शुभाप्रसन्न भट्टाचार्य पूछताछ)	50करोड़ रुपए में टीवी चैनल बेचा, न्यूटाउन आर्ट गैलरी के लिए रकम का लेनदेन, सारदा से मिली रकम से मुबई में 3 होटल खरीदें जाने का	ममता के करीबी व गायक	देवकृपा व्यापार लिमिटेड के मालिक व जाने माने पेंटर

सारदा से पैसे उगाही का आरोप

जांच मे प्रगति

इस बीच कई केंद्रीय जांच संस्थाओं को सारदा घोटाले का जिम्मा सौंपा गया है, प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई, गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय इस की जांच कर रहे है. इस दौरान, सीबीआई की ओर से 2 चार्जसीट जमा कर दी गई है. पहली चार्जसीट में सुदीप्त सेन, देवजानी मुखर्जी, कुणाल घोष, रजत मजूमदार, असम गायक सदानंद गोगई, ईस्ट बंगाल फुटबाल क्लब के पदाधिकारी देवव्रत उर्फ नीतू सरकार, कोलकत्ता कारोबारी सज्जन अग्रवाल और उस का बेटा संधीर अग्रवाल को छोड़ कर बाकी सब गिरफ्तार किए जा चुके है।

बताया जाता है कि सीबीआई की दूसरी चार्जशीट में कोई बड़ा नाम नही है. हालांकि सीबीआई जल्द ही अगली चार्जशीट जमा करेगी. आशंका व्यक्त की जा रही है इस में सृंजय बोस के अलावा कई चौंकाने वाले नाम हो सकते है।

सीबीआई के अलावा प्रवर्तन निदेशालय की ओर से भी जांच का काम चल रहा है प्रवर्तन निदेशालय को पहले चरण में सारदा के 350 करोड़ रुपए की संपत्ति का पता चला था. इस के बाद 150 करोड़ रुपए की और भी संपत्ति का पता चला।

फिलहाल इन संपत्तियों से जुड़े तमाम तथ्यों की भी जांच की जा रही है. पता यह भी चला है कि सारदा टूर ऐंड ट्रैवेल्स के नाम पर बाजार से 1,259 करोड़ रुपए की उगाही की गई और इस रकम को सारदा मीडिया ग्रुप में लगाया गया. गौरतलब है कि सारदा मीडिया ग्रुप का इस्तेमाल ममता के पक्ष में जनसमर्थन बनाने के लिए भी किया गया. इस का फायदा विधानसभा चुनाव में देखनें को मिला।

बहरहाल, सारदा मीडिया में बड़े नुकसान का हवाला देकर सुदीप्त सेन ने कई अखबार और चैनल को बंद करने व उन में आगें रकम झोंकने से मना कर दिया. सुदीप्त सेन ने सारदा मीडिया के कर्मचारियों के वेतन भी रोक दिए, यहाँ से कुणाल घोष और संजय बोस के साथ सुदीप्त के संबंध बिगड़ने लगे, अर्पिता घोष ने कर्मचारियों के वेतन के लिए पुलिस में एफआईआर दर्ज करा दी।

कई राज्यो से जुड़े तार

पश्चिम बंगाल के सारदा घोटाले के तार असम तक जा पहुंचे. सारदा से प्रताड़ित लोगो को न्याय दिलाने के लिए असम विधानसभा ने असम निवेशक हित संरक्षण बिल (2013) को आम सहमति से पारित किया. असम सरकार ने स्वतः प्रेरित हो कर सारदा ग्रुप के खिलाफ मामला दायर किया है. इस के अलावा असम सरकार ने अन्य 127 चिटफंड कंपनियों के खिलाफ भी मामला दायर किया 303 लोगो की गिरफ्तारी हुई और उन के पास से 94 लाख रुपए जब्त किए गए इसके अलावा विभिन्न बैंको के अकांउट मे जमा 24 करोड़ रुपए भी जब्त किए गए, फिलहाल, मामला सीबीआई जांच के दायरे मे है. बंगाल के सीमांत इलाके के गांव कसबे के लगभग 6 हजार निवेशकों की शिकायत पर ओडिशा सरकार ने राज्य पुलिस के अंतर्गत आर्थिक अपराध शाखा को जांच का निर्देश दिया. इस बीच, सारदा ग्रुप के खिलाफ 207 मामले दायर किए गए, सारदा के दफ्तार के अधिकारियों और एजेंटो को मिला कर 440 लोगो को गिरफ्तार किया गया भारतीय दंड विधान, प्राइस चिट ऐंड मनीं सर्कुलेशन स्कीम ऐक्ट, ओडिशा निवेशक हित संरक्षण बिल के तहत 120 मामले में चार्जशीट जमा की जा चुकी है। मई 2014 में सारदा घोटाले का मामला सीबीआई को सौप दिया गया वही त्रिपुरा में भी सारदा द्वारा लोगो को सब्जबाग दिखा कर निवेशकों को उल्लू बनाने का मामला सामने आया है. त्रिपुरा सरकार ने सारदा से जुड़ी तमाम शिकायतों को 9 मई, 2014 को सीबीआई प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग को सौंप दिया है।

सिविल सेवा परीक्षाओं के लिए

▶ BRICS संगठन में कौन देश शामिल नही है-
(1) कोलम्बिया (2) साऊथ अफ्रिका
(3) इंडिया (4) ब्रॉजील

▶ युसुकजाई मलाला के साथ किस भारतीय को नोबेल पुरस्कार मिला।
(1) मीरा नायर (2) अनुष्का शर्मा
(3) पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम (4) कैलाश सत्यार्थी

▶ भारतीय गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2015 को मुख्य अतिथि होगें-
(1) डेविड कैमरुन (2) पुतिन
(3) स्टीकेन हारपर (4) बराक ओबामा

▶ जी-20 सम्मेलन अभी हाल मे कहॉ सम्पन्न हुआ-
(1) लण्डन (2) बर्लिन
(3) ब्रिसबेन (4) वर्न

▶ ब्रिक्स बैंक को स्थापित करने का लक्ष्य किस सन् में है-
(1) 2014 (2) 2015
(3) 2016 (4) 2018

▶ जी-20 सम्मेलन में किस मुद्दे पर पश्चिमी देशो ने रुस का घोर विरोध किया-
(1) सीरिया पर (2) मिश्र के मुद्दे पर
(3) अजरबैजन के मुद्दे पर (4) यूक्रेन के मुद्दे पर

▶ एकदिवसीय मैच में सर्वाधिक व्यक्तिगत रन बनाने को कीर्तिमान किसने स्थापित किया-
(1) सचिन तेन्दुलकर (2) विराट कोहली
(3) रोहित शर्मा (4) एलस्टेयर कुक

▶ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लेख भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में है-
(1) अनुच्छेद 14 (2) अनुच्छेद 20
(3) अनुच्छेद 19 (4) अनुच्छेद 18

▶ प्रशान्त महासागर के अन्दर कौन सा देश शहर बसाने जा रहा है-
(1) अमेरिका (2) फ्रान्स
(3) जापान (4) चीन

▶ भारत ने कितने देशों को ऑनलाइन 'वीजा' देने का प्रस्ताव किया है-
(1) 45 देशों को (2) 40 देशों को
(3) 48 देशों को (4) 47 देशों को

उत्तर - (1) - i (2) -iv (3) - iv (4) - iii (5) - iii (6) - iv (7) - iii (8) - iii (9) - iii (10) - i

प्रशासनिक सेवाओं के लिए
वस्तुनिष्ठ प्रश्न

▶ सुदर्शन झील का पुन निर्माण या जीर्णोद्धार किसने किया -
(1) अशोक (2) चन्द्रगुप्त मौर्य
(3) हर्षवर्धन (4) रुद्रदामन

▶ धमेख स्तूप सारनाथ (बनारस) का निर्माण किसने किया-
(1) मौर्य ने (2) गुप्तो ने
(3) शुंगो ने (4) सातवाहनों ने

▶ वैदिक युग में सर्वोपरि मुख्य देवता कौन था-
(1) इंद्र (2) अग्नि
(3) वरुण (4) इनमें से कोई नही

▶ ऐसा कौन सा वेद है, जो गद्य व पद्य दोनों में है-
(1) ऋग्वेद (2) अथर्वेद
(3) सामवेद (4) यजुर्वेद

▶ दिल्ली सल्तनत का पहला वैधानिक सुल्तान कौन था-
(1) मु0 गौरी (2) महमूद गजनवी
(3) बलबन (4) इल्तुतमिश

▶ मीर बख्शी क्या था-
(1) जल सेना का प्रधान (2) न्याय विभाग का प्रधान
(3) मुख्य सेनानायक (4) वित्त मंत्री

▶ कुतुब मिनार का निर्माण किसने करवाया था-
(1) कुतुबुद्दीन ऐबक ने (2) अलाउद्दीन खिलजी ने
(3) इल्तुतमिशन ने (4) बलबन ने

▶ आजाद हिन्द की बागडोर सुभाष चंद्र बोस से पहले किस के हाथ में थी-
(1) बंकिम चंद्र चटर्जी (2) सुरेन्द्र नाथ बनर्जी
(3) वीर सावकर (4) रास बिहारी बोस

▶ लाला लाजपत रॉय किस कमीशन का विरोध कर रहे थे-
(1) क्रिप्स (2) रौलेट
(3) कैबिनेट (4) साहमन

▶ अभिनव भारत नामक क्रान्तिकारी संगठन किसने बनाया-
(1) मौलाना अब्दुल कलामआजाद (2) सुभाष चंद्र बोस
(3) कुवर सिंह लारा (4) वीर दामोदर सावरकर

उत्तर - (1) - iv (2) -ii (3) - i (4) - iii (5) - iv (6) - iii (7) - iii (8) - iv (9) - iv (10) - iv

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका आशा खबर सच का दम

ईंधन सस्ता, फिर भी है...

एक बार फिर पेट्रोल और डीजल के दाम कम हो गए, केन्द्र में नई सरकार बनने के बाद यह सिलसिला लगातार चला आ रहा है हर महीने ईंधन के दामों में गिरावट जारी है, बावजूद इसके पब्लिक को कही से राहत मिलती नही दिख रही, इतना सब होने के बाद भी न तो टैंपो-टैक्सी का किराया कम हुआ और न ही माल भाड़े में कमी आई, ट्रेवल एजेंसिया भी मनमाने तरीकें से पब्लिक से किराया वसूल कर रही है।डीजल में आठ तो पेट्रोल में 12 रुपए से अधिक की गिरावट

अगस्त में केंद्र सरकार के गठन के बाद से अब तक डीजल के दाम चार बार घट चुके है. सबसे पहले 19 अक्टूबर 2014 को 3.37 रुपए प्रति लीटर की गिरावट हुई थी. तब से लेकर अब तक डीजल 8.46 रुपए तक कम हो चुका है इसके अलावा पेट्रोल के दाम में आठ बार कमी की जा चुकी है. कुल मिलाकर पेट्रोल अब तक 12.47 रुपए प्रति लीटर सस्ता हो चुका है. वर्तमान में इलाहाबाद में पेट्रोल 67.90 रुपए और डीजल 55.55 रुपए में बिक रहा है. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आने वाले दिनों में ईंधन के दामों और गिरावट के कयास लगाए जा रहे है।

फिर भी टैंपो- टैक्सी वालों का मीटर डाउन नही

पेट्रो पदार्थो के दामो में गिरावट के बावजूद शहर में पब्लिक ट्रांसपोर्ट सस्ता नही हुआ है. अभी भी एक साल पुराना किराया वसूला जा रहा है. उदाहरण के तौर पर शहर में एक से दूसरे कोने में जाने के लिए 15 से 25 रुपए तक खर्च करने पड़ सकते है इसी साल मार्च में कचहरी से मुंडेरा के बीच टैंपो का किराया 12 रुपए था और आज भी यही है डीजल के दामों में दस रुपए तक गिरावट आने के बाद भी किराए पर असर नही पड़ा. अगर किसी सवारी ने इसकी दुहाई दी तो उसे टैंपो चालक की बतमिजाजी का सामना करना पड़ता हे। जानकारों के मुताबिक अब तक टैंपो-टैक्सी किराए में दो से तीन रुपए की गिरावट हो जानी चाहिए थी।

दाम बढ़ने पर रेट बढ़ा इसके बाद घटाया नही

दरअसल, एक साल पहले यूपीए गवर्नमेंट में डीजल के दाम बढ़ने पर टैंपो-टैक्सी यूनियन ने नई रेट लिस्ट जारी की थी, इसमें प्रत्येक रुट का किराया चार से पांच रुपए तक बढ़ाया गया था, इसके बाद भी फिर इनके दाम घटाने पर विचार नही हुआ, जबकि डीजल के रेट लगातार गिर रहे है उधर पब्लिक भी इसको लेकर विरोध कर रही है। लोगो का कहना है कि उनसे जबरन अधिक पैसे वसूले जा रहे है शहर से रुरल के लिए चलने वाली मैजिक का किराया भी काफी ज्यादा है।

ट्रेवल एजेंसियों ने भी नही दी राहत

किराया पर चार पहिया वाहन देने वाली टूर एंड ट्रेवल एजेंसियों ने भी अभी तक अपने दाम नही घटाएं है ये एजेंसियों सात से 12 रुपए प्रति किमी, के हिसाब से किराया वसूल रही है और तो और मौजूदा लगन के सीजन में ग्रहको से जरुरत पड़ने पर इससे भी ज्यादा मांग की जाती है। ट्रैवल एजेंसिय के ओनर संजय कुमार कहते है कि हम मार्च के लिस्ट के हिसाब से किराया ले रहे हैं अब आने वाले मार्च मे ही रेट का निर्धारण नये तरीके से हो पायेगा। वह ये भी तर्क देते है कि जब रेट बढ़ रहा था तो हम ट्रैवल संचालक रेट नही बढ़ाये थे शायद यही कारण है कि बार बार घटने के वाबजूद ट्रैवल एजेंसियों ने रेट नही घटाया।

किस गाड़ी का कितना किराया फिक्स (प्रति किमी के हिसाब से)

इंडिका	7 रुपए
इनोवा	12 रुपए
टवेरा1	0 रुपए
बस	8 रुपए
स्विफ्ट	10 रुपए
स्कार्पियो	13 रुपए

कुछ महत्वपूर्ण फैक्ट

अगस्त से अब तक डीजल के दाम आठ और डीजल के दाम चार बार कम हो चुके है।
डीजल अब तक 8.46 और पेट्रोल 12.27 रुपए प्रति लीटर सस्ता हो चुका है।
इलाहाबाद में डीजल की मौजुदा कीमत 55.55
पेट्रोल की कीमत 69.90 है।

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका
आधा खबर
सच का रंग

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका आशा खबर सच का दम

तनाव डुबो रहा नैय योग बनेगा खेवैया

जिस ब्यूरोक्रेसी पर प्रदेश की जनता का तनाव दूर करने की जिम्मेदारी है, वह खुद 'स्ट्रेस' की मारी है। लेकिन इस 'स्ट्रेस' को सार्वजनिक करना भी कम तनावपूर्ण नही है। लिहाजा आईएएस वीक के दौरान शनिवार को अधिकारियों की आम वार्षिक सभा में दबी जुबान ही सही पर इस चर्चा की गई। रोजमर्रा के तबादलों, राजनीतिक दबाव और स्वतंत्र होकर काम न कर पाने की मजबूरी को इस तनाव की बड़ी वजह माना गया। फौरी उपाय के तौर पर योग और मेडिटेशन का रास्ता चुना गया है।

आम वार्षिक सभा में जब अधिकारियों की तरफ से काम की वजह से बढ़ते मानसिक तनाव का मुद्दा उठाया गया तो सभी अधिकारियों ने इस पर सहमति भी दिखाई। तनाव की वजह से कई अधिकारियों की हुई असामयिक मृत्यु का मुद्दा भी उठा। इसके बाद नए आईएएस अधिकारियों को तनाव से निपटने के टिप्स भी दिए गए। इसमें सबसे अहम था मेडिटेशन और योगासन। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी बलविंदर कुमार ने प्रेजेंटेशन से अधिकारियों को तनाव कम करने के टिप्स दिए। खान पान पर भी उन्होंने साथी अधिकारियों को लंबा व्याख्यान दिया। डॉ0 रजनीश दुबे ने 'स्ट्रेस मैनेजमेंट कैसे करें' इस पर विस्तार से बताया। वैकटेंश्वर लू ने योग के जरिए काम के तनाव को कम करने की बात कही।

राकेश बहादुर नए अध्यक्ष

यूपी आईएएस असोसिएशन की एनुअल जनरल मीटिंग में राकेश बहादुर को अध्यक्ष व भुवनेश कुमार को सचिव चुना गया। हालांकि चुनाव के समय राकेश बहादुर उपस्थित नही थे। वरिष्ठता के आधार पर उन्हें नया अध्यक्ष बनाए जाने का निर्णय हुआ। अध्यक्ष व सचिव के अतिरिक्त कामेटी में तीन जॉइंट सेक्रेटरी, एक कोषाध्यक्ष भी होंगे। हर बैच से एक-एक अधिकारी को कमेटी का सदस्य चुना जाएगा। कमिटी में करीब 37 लोग होंगे।

इन मुद्दो पर भी हुई चर्चा

बेहतर काम- युवा अधिकारी, रिटायर्ड अधिकारियों से गुर सीखेंगे।

तालमेल- दूसरी सर्विसेज के अधिकारियों से तालमेल बढ़ाएंगे।

सुविधाएं- एसोसिएशन सचिवालय में विशेष सचिव रैंक की महिला अधिकारियों के कमरे में अटैच टॉयलेट की मांग उठाएगी। फील्ड में कार्यरत महिला अधिकारियों की सुविधा के लिए व्यवस्था पर भी जल्द काम शुरु होगा।

रंगो का कमाल भरपूर सेहत

टमाटर, हरा पालक, पीली मक्का और पर्पल बैंगन, कोशिश करें कि इन सब रंगो की सब्जी आपकी थाली में होनी चाहिए। ये सब सब्जियां आपको देगीं हेल्दी फूड के साथ हेल्दी लाइफ। अपनी डाइट में कलर का बैलेंस बनाए फल और सब्जियों का कलर उन्हें और भी अधिक न्यूटिशस बनाता है। जिस फल या सब्जी का जितना ज्यादा गहरा रंग होगा वह उतनी ही अधिक पौष्टिक होगी व उसमें एंटीऑक्सीडेंट कंटेंट भी उतना ही अधिक होगा।। गर्मियों में आने वाले सब्जियों में अधिक पौष्टिक तत्व होते है, क्योंकि वह गर्मियों की तपती धूप के संपर्क मे ज्यादा रहते है। धूप में रहने की वजह से इनका रंग गहरा हो जाता है, इसलिए इनमें क्लोरोफिल पाया जाता है, जो बेहद पौष्टिक होता है।

कुछ भारतीय फल और सब्जियां है, जो अपने रंग की वजह से बेहद पौष्टिक मानी जाती है। ये कल-रफुल सब्जियां और फल है-

लाल- टमाटर, स्ट्राबेरी, तरबूज और लाल मिर्च। इस कलर की सभी सब्जियां और फलों में लाइकोपीन पाया जाता है, जो कैंसर के खतरे को कम करता है।

पीला- पीला रंग आंखो के लिए फायदेमंद होता है। यह हल्दी में पाया जाता है, जिसका इस्तेमाल अधिकतर सभी प्रकार की सब्जियां बनाने मे होता है। इसके अलावा कॉर्न भी पीले रंग की होती है। केले में भी यह रंग पाया जाता है, जिसकी हर एक बाइट आपको देती है अच्छी सेहत।

नारंगी- ऑरेन्ज कलर में एल्फा और बीटा-कैरोटीन पाया जाता है, जो कैंसर की रोकथाम के लिए लाभकर होता है। गाजर, संतरे, आम और पपीते में भरपूर मात्रा विटामिन सी पाया जाता है।

हरा- जिस सब्जी और फल में हरा रंग होता है, वह कैंसर बनाने वाले तत्वों को कंट्रोल में रखता है। इनमें मौजूद उच्च स्तर का क्लोरोफिल तत्व शरीर में डीटोक्सीफायर का काम करता है। हरी सब्जियो मे भरपूर मात्रा में आयरन पाया जाता है। पत्तागोभी, ब्रोकली, पत्तेदार सब्जियां और मटर इस श्रेणी मे आती है। हरी सब्जियो में विटामिन 'के' फॉलिक एसिड और पोटेशियम पाया जाता है।

सफेद- गोभी, प्याज, शलजम, आलू, लहसून और नाशपाती में फ्लेवोनाइड और एंटीऑक्सिडेंट पाया जाता है। ये सभी ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्राल के लेवर को कंट्रोल में रखते है।

जामुनी- इस रंग के फल और सब्जियां ब्लड फ्लो बढ़ाते है। इनके सेवन से किडनी और आंखो को ताकत मिलती है। अपनी डाइट में अंगूर, बेरीज और बैंगन को शामिल करें फिर देखिए आप कैसे सेहतमंद रहते है।

ऐसा कहा जाता है कि खाना दिखने में जितना अच्छा लगता है, उसका स्वाद भी उतना ही अच्छा होता है, लेकिन अब से ये कहना ज्यादा ठीक रहेगा कि जो भोजन जितना कलरफुल होगा वह उतना ही स्वास्थ्यवर्द्धक होगा।

अमरुद एक उत्तम फल आपके लिए फायदेमन्द

फल बाजार में गदराये हुए ताजे अमरुद पर खरीद-दार की निगाह अचानक रुक जाती है। हरे-हल्के पीले रंग की पत्तियों सहित डंठल में यह लटका हुआ अमरुद आपके लिए स्वादिष्ट आहार के रुप में लाया जाता है। अमरुद स्वंय में पचनीय फल है और साथ-साथ भोजन को भी पचाता है। अमरुद अत्यंत विटामिन युक्त आपकी सेहत सही रखता है और विभिन्न रोगों से बचाव करता है। अमरुद के स्वास्थ्य गुणों के बारे में विचार करें।

शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि

अमरुद में विटामिन सी का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। इसमें संतरे से चार गुना ज्यादा विटामिन सी होता है। इसमे 228 मिलीग्राम विटामिन सी होता है जो प्रतिदिन के आहार की आवश्यकता के बराबर है। प्रचुर मात्रा में विटामिन सी (एन्टीआक्सीडेन्ट) होने से यह शरीर की प्रतिरोधक क्षमता क्रिया में वृद्धि करता है। इसके सेवन से कफ, सर्दी एवं फ्लू आदि बीमारियों से बचा जा सकता है।

टयूमर होने से बचाव

अमरुद में प्रचुर मात्रा में लाइकोपिन (5204 माइक्रोग्राम) होने से टयूमर होने से बचा जा सकता है। लाइकोपिन शरीर को कई रोगो से दूर रखता है जैसे आक्सीजन फ्री रेडिकल्स से सुरक्षित रखना। अमरुद का सेवन प्रोस्टेट कैंसर को रोकने में सहायक है।

कैंसर जैसी घातक बीमारी से सुरक्षा

अमरुद में एन्टीआक्सीडेन्ट, फाइटोन्यूट्रियन्टस एवं फ्लेवोनोइड प्रचुर मात्रा में तत्व है। यही सब कैंसर से सुरक्षा करते है। अमरुद में अधिक मात्रा में विटामिन सी होने से यह आक्सीजन फ्री रेडिकल्स रखता है। यही फ्री रेडिकल्स, डीएनए सेल्स को नष्ट करके कैंसर सेल में परिवर्तित हो जाते है। परन्तु अमरुद में एन्टआक्सीडेन्ट तत्व फ्री रेडिकल सेल्स को न्यूट्रलाइज करके डीएनए सेल्स के लिए एक दीवार का कार्य करते है, और डीएनए सेल्स को सुरक्षित रखते है जैसे कि यह जाना जाता है कि कैंसर होने का मुख्य कारण आक्सीजन फ्री रेडिकल्स ही है जो डीएनए सेल्स को नष्ट करते है।

एन्टीआक्सीडेन्ट फ्री रेडिकल्स में सुरक्षा करता है तो लायको

पिन टयूमर को बढ़ाने से रोकता है। इन्हीं सब गुणों से अमरुद कैंसर से बचाव के लिए एक उत्तम फल माना जाता है। अमरुद का फल कोलन, ब्रेस्ट, माउथ, स्किन, पेट, ओरल केविटी एवं लंग कैंसर को रोकने में प्रभाव डालता है।

रक्तचाप को नियंत्रित करना

अमरुद में पोटोशियम की मात्रा काफी होती है। सोडियम लेवल को संतुलित करने के लिए पोटोशियम आवश्यक है। अतएव अमरुद का सेवन उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करता है और स्ट्रोक व हार्ट अटैक आने की सम्भावना से बचाव करता है।

शरीर में रक्तचाप बढ़ाता है

अमरुद में विटामिन ई, के, नियासिन , फोलेट, पेन्टोथेटिक एसिड, विटामिन बी6 एवं कापर, मेंगनीज व मैगनीशियम तत्व होते है। यह रक्त बनाने की क्रिया के लिए महत्वपूर्ण है। अमरुद में विटामिन 'सी' है जो शरीर मे आयरन में वृद्धि करता है।

बड़ी आंत के कैंसर से बचाव (कोलन कैंसर)

अमरुद में पोषणीय तत्व है। यह बड़ी आंत से टाक्सिन को साफ करता है। इससे बड़ी आंत में कैंसर होने से बचा जा सकता है।

उम्र का शरीर पर प्रभाव

उम्र का शरीर पर प्रभाव फ्री रेडिकल्स का बनना है। यह तनाव एवं दूषित वातावरण के कारण बनते है। परन्तु अमरुद एन्टी आक्सीडेन्ट युक्त फल है। यह फ्री रेडिकल्स को नष्ट करके शरीर की उम्र प्रक्रिया को मंद करता है।यह देखा गया है कि एन्टीआक्सीडेन्ट युक्त आहार के सेवन से उम्र का शरीर पर कम प्रभाव पड़ता है।

मधुमेह से बचाव

अमरुद एक पचनीय फल है यह शरीर में बनने वाली शुगर को कम करता है।

आँखो की सुरक्षा

अमरुद में विटामिन 'ए' की मात्रा काफी होती है। विटामिन 'ए', एन्टीआक्सीडेन्ट है इसलिए फ्री रेडिकल्स से आँखों की सुरक्षा करता है। रेटिनल डैमेज को रोकता है। अमरुद आँखो के कान्ट्रेक्ट मैकुलर डीजेनेरेशन आदि रोगो से भी बचाव करता है।

त्वचा की सुरक्षा

अमरुद में विटामिन 'ए' होने से त्वचा स्वस्थ रहती है। इस का सेवन त्वचा कैंसर से भी बचाव करता है।

पाचन शक्ति में वृद्धिझ

अमरुद में पचनीय तत्व होने से इसके सेवन से पाचन क्रिया संतुलित रहती है इससे डायरिया और कब्ज आदि से बचा जा सकता है।

गर्भवती महिलाओं के लिए उपयोगी

अमरुद में फोलिक ऐसिड या विटामिन बी-9 होने से गर्भवती महिला के लिए लाभप्रद है। इसके सेवन से होने वाले बच्चे के नरवस सिस्टम के विकास में एवं न्यूरोलिजिकल अनियन्तता से सुरक्षित रखता है।

तनाव से दूर

अमरुद में मैंग्नीशियम होता है इसके सेवन से शरीर के नरवस सिस्टम एवं मसल्स आदि तनाव रहित हो जाते है। इतने सारे गुणों से युक्त अमरुद का ये फल सर्दी के मौसम मे आता है। इसका सेवन करें और स्वाद के साथ-साथ रोगो की भी रोकथाम करें।

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका
आशा खबर
सच का दम

मैदा बिस्कुट रोल

गटटे का पुलाव

सामग्री

गटटे	डेढ़ कप
चावल	डेढ़ कप
हल्दी	चौथाई चम्मच
लाल मिर्च (पिसी हुई)	चौथाई चम्मच
हरी मिर्च (कटी हुई)	दो
नमक	सवा चम्मच
जीरा	आधा चम्मच
हींग	चुटकीभर
हरी मटर के दाने	आधा कप
हरा धनिया (कटा)	एक बड़ा चम्मच
राई	आधा चम्मच
घी	बड़े चम्मच

विधि

1. चावलों को धोकर 20 मिनट तक भिगो दें।
2. अपनी आवश्यकतानुसार चावल ले।
3. फिर एक बड़े फ्राई पैन में घी गरम कर जीरा व राई कड़काकर हींग, हरी मिर्च (कटी हुई), हरा धनिया, मटर के दानों को डालकर दो-चार मिनट तक फ्राई करें और गटटो को चावलों में मिला दें। दो-तीन मिनट तक चलाकर नमक, मिर्च (लाल), हल्दी ढाई या पौने तीन कप पानी डालकर व ढंककर मंदी आंच पर पकाएं।
4. जब पानी सूख जाए और गटटा पुलाव तैयार हो जाए तो गरम-गरम परोसे और इसे सर्व करे।

सामग्री

मैदा	1/2 किलो
आलू	1/2 किलो
पनीर	100 ग्राम
घी	1/2 किलो
ब्रेड	1 बंडल
प्याज	1 पॉव
मिर्च	50 ग्राम
हरी धनियॉ	50 ग्राम
अदरक	25 ग्राम
नमक	स्वादानुसार
तेल	50 ग्राम

बनाने की विधि- सबसे पहले मैदे को 50 घी और थोड़ा पानी डालकर माड़ कर फिर उसे ढक कर रख दे। उसके बाद आलू उबाल ले, छीले उसकी मौज ले फिर उसमें कटे हुये प्याज, कटी मिर्च कटी हरी धनियॉ, कटे हुये अदरक, कददुकस पनीर दमालू मसाला 2 चम्मच, अमचूर 2 चम्मच नमक स्वादानुसार डाल कर सब मिक्स कर ले। तत्पश्चात तेल में इस पेस्ट को भून के निकाल ले। इधर मैदे की लोई छोटी-2 बना ले उसे पूड़ी के आकार का बेल ले, ब्रेड के चार टुकड़े कर ले मैदे को बेलने के बाद ब्रेड का एक टुकड़ा बीच में रखें, आलू के पेस्ट की छोटी-2 लोई बना ले और उस लोई को ब्रेड के टुकड़े के ऊपर रखें फिर उसके ऊपर ब्रेड का एक टुकड़ा और रखें फिर चारों तरफ से मोड़ दे फिर कढ़ाई में घी गर्म करें फिर मैदे के इस बिस्कुट को हल्का ब्राउनी होने तक तले फिर गैस ऑफ कर दे फिर गरम-2 परोसे इसे आप टैमोटो शॉस या चिली शॉस या टमाटर धनियॉ की चटनी के साथ खा सकते है।

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका
आशा खबर
सच का दम

2014 को कई मामलों में युगा-तकारी वर्ष कहा जा सकता है। सबको पता था कि अप्रैल में लोकसभा चुनाव होने वाले है लेकिन आम लोगो के साथ ही भाजपा ने भी शायद ही कभी यह सोचा होगा कि चुनाव में उसका इस तरह से उदय होगा। इस करिश्में का सबसे ज्यादा श्रेय किसी को जाता है, तो वे नरेन्द्र मोदी, अमित शाह एंड टीम और आरएसएस का कैडर है। इनकी ताकत और तेवर ने कांग्रेस और सहयोगी दलों को जमीन तो सुंघाई ही, केंद्र में प्रधान जनसेवक के रुप में ऐसे व्यक्ति को पदारुढ़ करा दिया जिसने दुनिया में भी भारत का रंग जमा दिया। महंगाई जड़ता और अव्यवस्था से परेशान जनता को खुश होने के कई कारण मिल गए। इस साल ई-कॉमर्स के जबर्दस्त उभार को कोई अनदेखा नही कर सकता। संयोग यह भी रहा कि इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल के दाम भी लुढ़ककर आधे तक आ गए और फायदा-जनता, सरकार और तेल कंपनियों-सबको मिलने लगा। सरकारी मंत्रालयों-विभागों के तार कसने की जिम्मेदारी पीएमओ ने सीधे अपने ऊपर ले ली, तो वही अरुण जेटली के रुप में मोदी को ऐसे भरोसेमंद साथी मिले, जो अपने कौशल से संसद के भीतर-बाहर सरकार के संकटमोचक बनकर सामने आए।

अमित शाह

भाजपा के शाह- लहर की तरह आना और सबकुछ बहा ले जाना। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह का केंद्रीय राजनीति में आगमन कुछ इसी अंदाज में हुआ। दो साल पहले बतौर महासचिव प्रभारी जिन अमित के हाथों उत्तर प्रदेश जैसे दुरुह राजनीतिक प्रदेश की कमान दी गई थी, उन्होने एक के बाद एक लगातार ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए खुद को 'शाह' कहलाने का हक हासिल कर लिया। किसी भी राजनीतिक दल में यह शायद पहले कभी नही हुआ कि एक-डेढ़ साल के अंदर किसी ने अपनी योग्यता के बलबूते संगठन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी संभाल ली हो और आते ही पार्टी को जकड़न से बाहर निकाल दिया हो। लोकसभा चुनावो की जीत के बाद हरियाणा और महाराष्ट्र में भी पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री काबिज हुआ तो सेहरा शाह के सिर बंधा। लंबे अरसे तक गुजरात में नरेन्द्र मोदी के मुख्य सेनापति के रुप में काम करते शाह ने यह साबित कर दिया है कि चुनाव माइक्रो मैनेजमेंट का भी सवाल होता है और खुद इसके माहिर है। एक कुशल सेनापति की तरह उन्हें अपने सैनिको से काम कराना आता है और शायद यही कारण है कि अब जम्मू-कश्मिर में कमल खिलाने की बात होने लगी है। फिलहाल शाह की गति और ऊर्जा ने विपक्षी दलों को सशांकित कर दिया है। अचरज नही कि बदलाव के तौर पर युवा टीम के साथ आए शाह अगले चार-पांच साल मे ही भाजपा को शायद वह गौरव दिला दें, जिसकी कल्पना जनसंघ और संघ के नेता भी न कर पाए हो।

अरुण जेटली

सियासत के बाजीगर- सियासत में हारी बाजी जीतने वाले बाजीगर से कम नही अरुण जेटली। रणनीतिकार, संकटमोचक जैसे कुछ शब्द वित्त मंत्री अरुण जेटली के साथ शायद हमेशा के लिए जुड़ गए है। विपक्ष में रहते हुए उन्होने संप्रग सरकार के ताबूत के ताबूत में कील ठोंकने में अहम भूमिका निभाई थी, तो केंद्र में मोदी सरकार के गठन से लेकर सुशासन की रुपरेखा तैयार करने में भी वह प्रधानमंत्री मोदी के विशिष्ट सहयोगी के रुप में माने जाते है। छात्र जीवन से लेकर अब तक की लंबी राजनीति पारी में हालांकि लोकसभा चुनाव की हार उन्हें कसक देती होगी, लेकिन यह किसी से छुपा नही है कि मोदी के नजदीकी और विश्वासपात्र जेटली सरकार की अहम कड़ी है। दोनों के बीच आपसी समझ का अंदाजा भी इसी से लगाया जा सकता है कि शपथग्रहण के साथ ही प्रधानमंत्री ने जेटली को रक्षा और वित्त जैसे दो अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी थी। भाजपा के लिए हमेशा संकटमोचक रहे जेटली को कठिन परिस्थिति में वित्त मंत्रालय देकर मोदी ने फिर उनसे उसी भूमिका का निर्वाहन करने की आशा जताई है। पेशे से वकील रहे जेटली का अर्थशास्त्र फिलहाल कसौटी पर है। आगे उनके लिए चुनौती ज्यादा है।

नरेन्द्र मोदी

अजेय योद्धा- स्पष्ट लक्ष्य सटीक रणनीति ओजस्वी वाणी। न रुकना। न थकना। बीता पिछला साल पूरी तरह नरेन्द्र मोदी के नाम ही गया। हर चुनौती को ध्वस्त किया। किस्मत साथ। मगर पुरुषार्थ भी कम नही। पहले पार्टी और संघ परिवार के भीतर अपना लोहा मनवाया भाजपा का निर्विवाद चेहरा बने। नतीजे भी चमत्कारिक दिए। चुनाव में मोदी ही छाए रहे। सभी ने उन्हें निशाना बनाया, मगर हर वार से मजबूत होकर उभरे। सियासी पिच पर सारे सूरमाओं के विकेट उखाड़ दिए। केंद्र में सत्ता पलटी। नया इतिहास रचा। पूर्ण बहुमत की पहली भाजपा सरकार बनाई। देश के बाद अब दुनिया मे भी डंका बज रहा है। छह माह की सरकार ने कोई दिन ऐसा नही, जिस दिन मोदी चर्चा में न रहे हो प्रधानमंत्री बनने मात्र से ही संतोष नही। मानों यह तो अभी इतिहास में दर्ज होने की तरफ पहला कदम मात्र है। सरकार बनने के बाद भी उनका हाथ पकड़ना विपक्ष के लिए मुश्किल हो रहा है। किस्मत से अंतराष्ट्रीय बाजार मे तेल की कम कीमतें भी मोदी के जादू को कायम रखे है। सरकार और संगठन में भी कामकाज की पूरी परिपाटी ही बदल दी। दिल्ली के बाद महाराष्ट्र और हरियाणा में भी सरकार बनी। गुजरात क विधानसभा चुनाव के बाद से निकला नरेंद्र मोदी के अश्वमेध का घोड़ा पकड़ने में सारे महारथी नाकाम है। मोदी बढ़ते जा रहे है निरंतर.....अबाध.....निबांध.....!

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

दमदार उपस्थिति- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 2004 के लोकसभा चुनाव में भी चुनाव में भी सक्रिय था और 2009 में भी लेकिन उसे सफलता मिली 2014 में। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद के दावेदार थे। बावजूद इसके मोदी और भाजपा की चमत्कारिक विजय में संघ के योगदान की अनदेखी भी नही की जा सकती। यह मोदी सरकार के रंग-ढंग में भी झलक रहा है। यह पहली बार हुआ जब दशहरे पर संघ प्रमुख मोहन भागवत के भाषण का सीधा प्रसारण दूरदर्शन पर हुआ। संघ का प्रभाव सरकार के भीतर-बाहर सब जगह दिख रहा है। इस प्रभाव की एक व्याख्या इस रुप में भी हो रही है कि सरकार संघ के एजेंडे पर फर्क नही लेकिन अगर दुनिया के सबसे बड़े इस सामाजिक संगठन को वैभवशाली भारत के अपने सपने को साकार करना है तो उसे अपने राजनीतिक आलोचकों को भी सुनना होगा और उन चिंताओं को भी दूर करना होगा जो उससे जुड़े कुछ नेताओं के कार्य-व्यवहार और नीति-नीयत के कारण रह-रहकर उभरती रहती है। ऐसे नेताओं का उत्साह जब अतिवाद में बदलता है तो संघ से ज्यादा समस्या मोदी सरकार के सामने पैदा होती है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेता मानते है कि उनका संगठन एक परिवार की तरह है और कोई भी उससे बाहर नही जाता। इससे असहमति नही लेकिन लोग यह नही समझ पाते कि जब परिवार का कोई सदस्य गलत व्यवहार करता है तो मुखिया उसे सही राह दिखाने में तत्परता क्यों नही बरतते?

ई-कॉमर्स

दुकानदारी का साइबर दौर- बीते कुछ वर्षो में खरीदारी के तौर तरीके बेहद तेजी से बदले है। खासतौर पर युवा वर्ग ने इंटरनेट शांपिग को काफी शिद्दत से अपनाया है। शायद यही वजह है कि ई-कॉमर्स ने देश में रिटेलिंग की तस्वीर ही बदल दी हे। फ्लिपकार्ट, एमेजान, स्नैपडील जैसे ई-कॉमर्स के कई खिलाड़ियों ने खुदरा रिटेलिंग के लिए चुनौती पेश कर दी है। अब जमाना रिटेलिंग का नही इंटेलिंग का है। ई-कॉमर्स के बढ़ते प्रभाव का ही असर है कि दिवाली के मौको पर ऐसी कुछ कंपनियों ने एक ही दिन में छह हजार करोड़ रुपए स्वरुप को लेकर खुदरा रिटेलरों की तरफ से आपत्तियों भी जताई जा रही है लेकिन अब यह नए जमाने की आवश्यकता बन चुका है। देश में मोबाइल फोन पर इंटरनेट की उपलब्धता ने ई-कॉमर्स को तेजी से लोकप्रियता दिलाने मे खास भूमिका निभाई। साथ ही खरीदारी का ट्रेंड भी बदला है। अब ग्राहक के लिए दुकान पर जाकर सामान को देख-छू और महसूस करने के बाद खरीदने की जरुरत का अहसास खत्म होता जा रहा है। खरीदारी का यह एकदम नया स्वरुप है, जो तेजी से ग्राहको के जेहन पर सवार होता जा रहा है।

सोनिया-राहुल गांधी

गांधी अतीत ही नही, भविष्य भी। संप्रग की दोबारा सरकार बनी तो कांग्रेसियों को यह भरोसा भी हो गया। अमेरिका पत्रिका 'टाइम्स मैंगजीन' ने सबसे शक्तिशाली महिला के रुप में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को चुना। दोबारा संप्रग आने का श्रेय उनके बेटे राहुल को दिया गया। सियासत के क्षितिज पर राहुल चमकते नजर आ रहे थे। मगर संप्रग-दो सरकार जैसे-जैसे आगे बढ़ी, वैसे-वैसे मां-बेटे का ग्राफ नीचे आता गया। बिहार, फिर उत्तर प्रदेश के चुनावों के बाद तो कांग्रेस सदमे से उबर ही नही पाई । सेहत के चलते सोनिया की संगठन में जहां सक्रियता कम हुई, वही राहुल गांधी का कद संगठन में बढ़ा। तमाम मार्केटिंग और शोर के बावजूद कांग्रेस मे नेतृत्व के सवाल भी उठ रहे है। सोनिया की सक्रिय सियासत से दूरी और राहुल के फैसलों पर चुनाव के दौरान पार्टी ओल्ड गार्ड बनाम न्यू गार्ड की लड़ाई में फंसी नजर आई। यहां तक कि 'प्रियंका लाओ कांग्रेस बचाओं' के नारे भी लगे। लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस ने अपने इतिहास का सबसे खराब प्रदर्शन किया। राहुल गांधी और उनकी टीम पर पार्टी हार का ठीकरा फोड़ रही है लेकिन मां अब फिर पीछे मजबूती से खड़ी है। एक दशक तक भारत का प्रथम या सबसे शक्तिशाली सियासी परिवार का जादू टूट रहा है लेकिन देश की सबसे पुरानी पार्टी अभी भी इसी परिवार के भरोसे ही दिख रही है।

हाई ब्लडप्रेशर जटिलताओं से मिलेगा छुटकारा

हाई ब्लडप्रेशर के कारण विभिन्न प्रकार की जटिलताएं उत्पन्न हो जाती है। ऐसी जटिलताएं अकेले नही होती। वस्तुतः हाई ब्लडप्रेशर के साथ तमाम लोगो में कुछ अन्य बीमारियां भी होती है। जैसे हृदय रोग-कोरोनरी आर्टरी डिजीज, डाइबिटीज, गुर्दा रोग, स्ट्रोक-यानी सेरिब्रल थ्रॉम्बोसिस और ब्रेन हेमरेज आदि।

इलाज की निर्भरता

हाई ब्लड प्रेशर का इलाज कई कारणों पर निर्भर करता है। जैसे...

1. **हाई ब्लडप्रेशर का कारण क्या है?**
2. **शरीर का डील-डौल कैसा है?**
3. **शरीर में सूजन है कि नही।**
4. **स्ट्रोक की शिकायत है या नही।**
5. **हार्ट अटैक हो चुका है या नही।**
6. **किडनी या गुर्दा कार्य कर रहा है या नही।**
7. **डाइबिटीज है या नही।**
8. **गर्भावस्था।**
9. **हार्ट फेल्यर होना।**
10. **धड़कन की शिकायत।**

इलाज

- याद रखें डॉक्टर के परामर्श के बगैर कोई भी दवा किसी के कहने पर या फिर अपने आप न ले। स्वचिकित्सा (सेल्फ मेडिकल) से बचें। मौजूद संदर्भ में दवाओं के जो नाम दिए गए है, वे विभिन्न तत्वों से संबधित है। ये तत्व दवाओं के ब्रांड नेम नही है।
- यदि जवान व्यक्ति को हाई ब्लडप्रेशर हो, तो उसे 'ए सी ई इनहीबिटर्स' दवा दी जाती है।
- यदि वजन अधिक हो सूजन हो, सांस फले और हार्ट फेल्यर की समस्या हो, तो डाइयूरेटिक्स यानी पेशाब की मात्रा को बढ़ाने वाली दवा देनी चाहिए।
- हार्ट अटैक के बाद बीटा ब्लॉकर्स दवा अवश्य देनी चाहिए परंतु दमा की शिकायत हो तो बीटा ब्लॉकर्स नही दी जानी चाहिए।
- गुर्दा रोग की शुरुआत हो या डाइबिटीज हो तो 'ए सी इनहीबिटर्स और 'ए आर बी' दवाएं ले। इनसे गुर्दे सुरक्षित रहते है।
- एंजाइना की तकलीफ हो, तो बीटा ब्लॉकर्स देना चाहिए।
- गर्भावस्था में 'ए सी ई इनहीबिटर्स' और 'ए आर बी' नही देना चाहिए। ऐसे में एमलोडिपीन अच्छी दवा है।
  हार्ट फेल्यर में डाइयूरेटिक्स ए सी ई (इनहीबिटर्स) और 'ए आर बी' देना चाहिए।
- सीओपीडी और दमा जैसी सांस से संबधित बीमारियों में एमलोडिपीन और 'ए सी ई इनहीबिटर्स' अच्छी दवाएं है। बीटा ब्लॉकर्स दवा नही देना चाहिए।
- डाइबिटीज में एसीई (आई), 'ए आर बी' और एमलोडिपीन दे सकते है।

फर्स्ट एड के बारे में जाने जरूरी बातें

फर्स्ट एड के बारे में हम सभी को आधी-अधूरी बातें पता होती है, जिसका इस्तेमाल हम रोगी पर समय आने पर करते है, ऐसा करने से कभी-कभी रोगी की जान को खतरा हो सकता है, क्योंकि आधा-अधूरा ज्ञान किसी के लिए भी मुसीबत की वजह बन सकता है। इसलिए हम बता रहे है कि रोगी को किस प्रकार प्रथम उपचार देना चाहिए।

असुरक्षित यौन सम्बन्धों से बचव

एड्स, सिफलिस, गोनोरिया, हर्पिज आदि ऐसे साध्य और असाध्य संक्रमण है जो यौन सम्बन्धों में बरती गई लापरवाही की ही नतीजा है। सैक्स शिक्षा की अज्ञानता के कारण और आत्म संयम की कमी के कारण युवक-युवतियाँ आपसी शारीरिक संबंध बना तो लेते है पर यह जाने बगैर कि सामने वाला पार्टनर किसी बीमारी या संक्रमण से ग्रस्त तो नही है। यदि व खतरनाक बीमारी या संक्रमण से ग्रस्त होता है तो फिर बाद में पछतावा होता है जब छोटी-सी लापरवाही बड़े रोग का रुप लेकर उभरकर सामने आती है। इस लेख में आपको असुरक्षित यौन संबंध से बचने के कुछ टिप्स दिए जा रहे है जिन पर आप अमल जरुर करें-

असुरक्षित यौन संबंधो को लेकर लोगो मे कई प्रकार की दुविधा होती है। सही स्त्रोतो से जानकारी के अभावो में युवा अक्सर इसे लेकर अनिश्चितता में रहते है। वह यही सोचते है कि यौन संबधो का मतलब है सैक्स के दौरान सावधानियाँ बरतना। लेकिन वे भूल जाते है कि असुरक्षित यौन सम्बन्धों का अर्थ है यौन संचारित रोगो को जानना, संक्रमण की संभावनाओं इत्यादि के बारे में जागरुक होना। आइए जानें असुरक्षित यौन संबंध आखिर है क्या ?

1. असुरक्षित यौन संबंधो का अर्थ है, सैक्स के दौ रान सावधानियाँ न बरतना इन सावधानियों में जरुरी है कि सैक्स जोर-जबरदस्ती से न किया जाए।

2. माहवारी के दौरान सैक्स करने से संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है।

3. एक से ज्यादा साथी फिर चाहे वह महिला हो या पुरुष, के साथ संबंध बनाने से संक्रमण हो सकता है।

4. असुरक्षित यौन संबंधो के दौरान यौन संचालित रोगो के होने का खतरा बना रहता है।

5. बहुत अधिक कंट्रासेप्टिक पिल्स का सेवन, पहली बार सैक्स के दौरान कंडोम का सेवन न करना असुरक्षित यौन संबंधो के अंतर्गत आता है।

6. प्रोफेशनल सैक्स वर्कर से संबंध बनाने से भी संक्रमण की संभावना रहती है।

7. सामुहिक रुप से सैक्स करना यानी एक ग्रुप में आपस में एक-दूसरे के साथ सैक्स करना भी असुरक्षित यौन संबंधो के अंतर्गत शामिल है।

8. वाइफ स्वैपिंग यानी एक दूसरे पार्टनर को एक रात के लिए बदलने से भी संक्रमण होने का खतरा बढ़ जाता है।

9. ओरल सैक्स में भी इंफैक्शन होने का खतरा लगातार बरकरार रहता है। इसीलिए ओरल सैक्स में साफ-सफाई का खास ध्यान रखने की जरुरत होती है।

सैक्स के दौरान, सैक्स से पहले खासतौर पर सावधानियाँ बरतनी आवश्यक है। असुरक्षित यौन संबंध के कारण होने वाली बीमारियों की सूची लंबी है, लेकिन थोड़े संयम और सावधानी अपनाकर इनसे बचा जा सकता है।

ईवीएम में उम्मीदवारो के फोटो पर विचार करे आयोग

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावो में मिलते-जुलते नामों से होने वाले भ्रम के मद्देनजर चुनाव आयोग को ईवीएम पर चुनाव चिन्ह के साथ प्रत्याशियों की तस्वीर भी लगाने पर विचार करने को कहा है।

शीर्ष कोर्ट ने कहा कि मतदान के समय ऐसी कोई बाधा नही होनी चाहिए जिससे मतदाता भ्रमित हो और प्रभावी रुप से मतदाता न कर सके। कोर्ट ने केद्रं सरकार से भी यह बताने को कहा कि क्यो न ईवीएम पर नाम चुनाव चिन्ह के साथ उम्मीदवार का फोटो भी लगाया जाए। कोर्ट ने आयोग से हालिया लोकसभा तथा विधानसभा चुनावो में समान नाम वाले उम्मीदवारों को मिले मतो व उनके मुकाबले विजयी उम्मीदवार को मिले मतो का आंकड़ा भी पेश करने को कहा है। कोर्ट यह देखना चाहता है कि भ्रम के कारण एक समान नाम वाले उम्मीदवारो को मिले वोट कही जीते हुए उम्मीदवार से ज्यादा तो नही थे। कई बार ऐसा हुआ है कि भ्रम पैदा करने के लिए राजनीतिक दल विपक्ष के प्रत्याशियों से मिलते नाम वाले उम्मीदवार खड़े कर देता है जिससे अशिक्षित और ग्रामीण मतदाताओं के वोट उसे मिल जाते है।जस्टिस विक्रमजीत सेन और कुरियन जोसेफ की पीठ कंम्यूटर इंजीनियर अशोक गहलोत की याचिका पर विचार कर रही है। गहलोत ने याचिका में कहा है कि वोटिंग मशीनों पर एक समान नाम वाले लोगो के कारण मतदाताओं को भ्रम हो जाता है जिससे उनका वोट गलत उम्मीदवार को चला जाता है। इसलिए सरकार को निर्देश दिया जाए कि वोटिंग मशीनों में उम्मीदवारों के चिन्ह लगवाएं जाए।

नाली-सड़क बनाने का स्थान तय करेगी जनता

प्रत्येक वार्ड में होगी एक कक्ष समिति

शहरो में नाली-सड़क बनाने का स्थान अब जनता तय करेगी। इसके लिए स्थानीय निकायं निदेशालय ने शासन को संशोधित प्रस्ताव भेज दिया है जिसे जल्द ही कैबिनेट में मंजूरी के लिए रखा जाएगा। यह प्रस्ताव उत्तर प्रदेश नगर निगम (कक्ष समितियां) नियमावली को प्रभावी बनाने के तैयार किया गया है।

इसके तहत शहरी क्षेत्रों के प्रत्येक वार्डो में एक कक्ष समिति बनाई जाएगी। जिसका अध्यक्ष पार्षद होगा और कम से कम पांच स्थानीय लोगो को इसका सदस्य बनाया जाएगा। सदस्यों के सुझाव पर ही कक्ष समितिया निकायों को विकास का प्रस्ताव भेजेगी और इसी के आधार पर काम कराया जाएगा। दरअसल उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 तथा उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम-1959 के अनुसार नगरीय निकायों में कक्ष समितियों के गठन के संबंध में अभी तक जो व्यवस्था लागू है, उसके मुताबिक कक्ष समिति का गठन 10 वार्डो को मिलाकर किया जाता है। स्थानीय निकाय निदेशालय का मानना है कि 10 वार्डो पर एक कक्ष समिति का आकार काफी बड़ा हो जाता है। ऐसे में प्रशासनिक व्यवस्था एवं शहरवासियों तक मूलभूत सुविधाओं की पहुंच और विकास कार्यो की मानीटरिंग ठीक से नही हो पाती है, इसलिए तीन लाख या उससे अधिक आबादी वाले निकायों के प्रत्येक वार्ड में एक कक्ष समिति होने का प्रस्ताव दिया गया है।

10 रुपये में एलईडी बल्ब दिलाएगी केंद्र सरकार

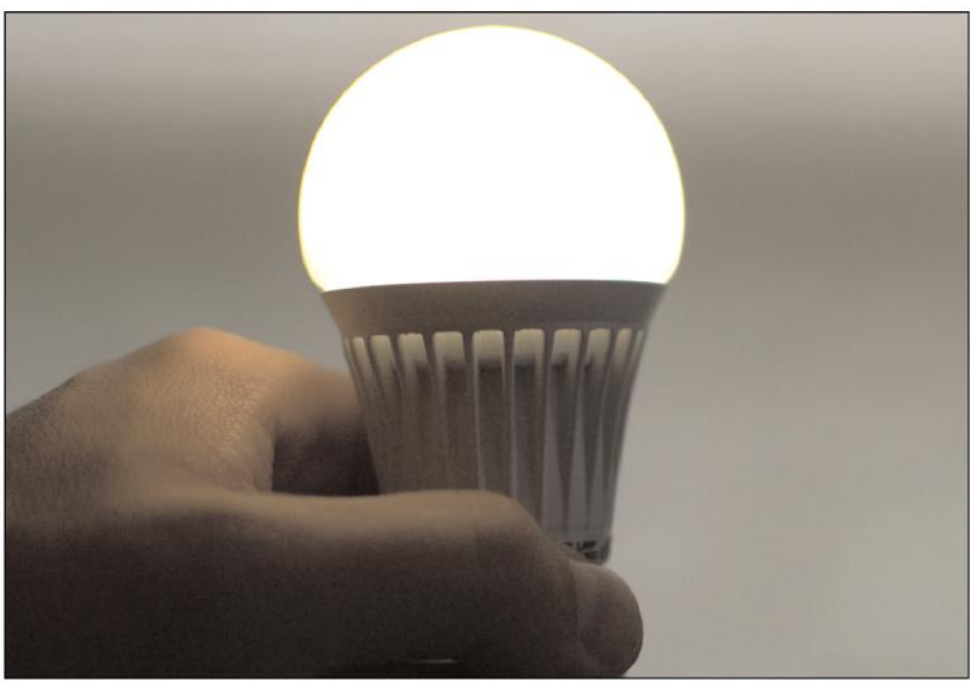

एलईडी यानि कि (लाइट एमिटिंग डायोड्स) का आविष्कार करने वाले वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार दिए जाने की घोषणा के ठीक एक दिन बाद सरकार ने मात्र 10 रुपये में ऐसे बल्ब उपलब्ध कराने का ऐलान कर दिया। एलईडी की बाजार कीमत फिलहाल 400 रुपये के आसपास है।ऊर्जा मंत्रालय ने इस दिशा में काम करने के निर्देश ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिंयसी (बीईई) को दिए है। बीईई ने चार सार्वजनिक कंपनियों के संयुक्त उपक्रम एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) और विद्युत वितरण कंपनियों (डिस्कॉम्स) को इस काम के लिए साथ लिया है। आधिकारिक विज्ञाप्ति के अनुसार यह तीनों मिलकर सस्ते एलईडी के बिजनेस मॉडल पर काम करेगें। इस मॉडल के तहत ईईएसएल थोक में एलईडी खरीदकर उन्हें घरेलू उपयोक्ताओं को मात्र 10 रुपये में उपलब्ध कराएगी। इनके चलते होने वाली ऊर्जा बचत से डिस्कॉम्स पांच से आठ साल तक ईईएसएल और आंध्र प्रदेश सरकार के बीच हुए एमओयू के तहत कंपनी ने पिछले हफ्ते 20 लाख एलईडी की खरीद पूरी कर ली। लगभग पूरे उद्योग ने इसके लिए निविदाएं भेजी थी। सबसे कम मूल्य 204 रुपये प्रति बल्ब का लगाया गया था। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को ऊर्जा बचाओं मिशन लांच किया था। इसके तहत 37 लाख घरों के पुराने बल्बों को एलईडी से बदला जाएगा। प्रत्येक घर में सब्जिडी वाले दो बल्ब दिल जाएगें। इस कार्यक्रम की शुरुआत गुंटूर जिले से शुरु हुई। ऊर्जा मंत्रालय ने गरीबी रेखा से नीचे सभी लोगो को राजीव गांधीग्रामीण विद्युतीकरण योजना के तहत एलईडी बल्ब उपलब्ध कराने का फैसला किया है।

कर्ज माफी योजना पर उठे सवाल

राजन की खरी-खरी किसानों को नही ऐसी स्कीमों से फायदा

रिजर्व बैंक के गर्वनर रघुराम राजन ने सरकारों की कृषि कर्ज माफी योजना पर सवाल उठाए है। राजन मानते है कि इस तरह की योजनाओं से किसानों से किसानों को कम कर्ज मिल पाता है। महंगाई पर अपने नजरिये को भी उन्होंने स्पष्ट किया। राजन ने जोर देकर कहा कि मुद्रास्फीति पर अल्पकालिक लक्ष्य के पीछे केंद्रीय बैंक नही भागेगा। घरेलू और ग्लोबल विकास को नजरअंदाज करते हुए दुनिया का कोई मुल्क ऐसा नही करता है। इसके लिए मध्यम अवधि का लक्ष्य रखा जाएगा। इंडियन इकोनामिक एसोसिएशन के वार्षिकी सम्मेलन में शिरकत करने शनिवार को राजन यहां पहुंचे उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में कई मौको पर कृषि कर्ज माफ किए गए। लेकिन अध्ययन बताते है कि ये योजनाएं निष्प्रभावी रही। किसानों को इनका कोई फायदा नही मिला। अलबत्ता इनकी वजह से बाद में किसानों को मिलने वाले कर्ज की रफ्तार जरुर बाधित हुई। किसानों की आत्महत्या के मुद्दे पर राजन ने कहा कि यह महत्वपूर्ण और संवेदनशील मसला है। इस पर गहराई से अध्ययन किए जाने की जरुरत है आंध्र प्रदेश और तेलगांना की सरकारों ने पिछले साल राज्य में आए फेलिन तूफान से प्रभावित किसानों के लिए कर्ज माफी का एलान किया था। इससे पूर्व 2008 में तत्कालीन संप्रग सरकार भी किसानों के लिए कृषि कर्ज माफी और कर्ज राहत योजनाएं लाई थी। इसके तहत 3.69 करोड़ छोटे और सीमांत किसानों तथा 60 लाख अन्य किसानों को 52,516 करोड़ रुपये के कर्ज से मुक्ति दी गई थी। कृषि क्षेत्र को सब्सिडी पर राजन ने कहा कि यह देखना होगा कि जो सब्जिडी दी जाती है वह वास्तव में कृषि क्षेत्र के लिए मददगार है या नही। इसमें सकारात्मक पहलू यह है कि आप कृषि क्षेत्र को सस्ते कर्ज का लाभ दे रहे है। चिंता वाली बात यह है कि क्या इस कर्ज का सही इस्तेमाल हो रहा है या नही या फिर इससे कर्जदारी बढ़ रही है या इसका निवेश अनाप शनाप हो रहा है। ब्याज दरों में कटौती को लेकर सरकार और उद्योग जगत से बढ़ते दबाव पर राजन ने दो-टूक कहा कि महंगाई को नियंत्रित करने में आरबीआइ की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसकी खातिर एक-आध दिन के लिए लक्ष्य निर्धारित नही किए जा सकते निचले स्तर पर कीमतो में स्थिरता का इंतजार करना होगा। जनवरी से आरबीआइ ने ब्याज दरों को यथावत रखा हुआ है। थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई की दर के नवंबर में शून्य के स्तर पर पहुंचने के बाद केन्द्रीय बैंक पर ब्याज दरों में कटौती करने के लिए चौतरफा दबाव है।

निवेश का माहौल पर केंद्र अटका रहा रोड़े

मोदी सरकार पर अखिलेश यादव ने बोला करारा हमला

उद्यमियों के साथ हर महीने-बैठक करने का किया वादा

वैट की विसंगति दूर करने और औद्योगिक भूमि को फ्री-होल्ड करने का दिलाया भरोसा

उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की कामयाबी से उत्साहित मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित उद्यमी महासम्मेलन के मंच से केंद्र सरकार पर करारा हमला बोला उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में निवेश का माहौल है लेकिन केंद्र सरकार बिजली संकट पैदा कर रोड़े अटका रही है। प्रदेश में उद्यमियों के लिए तैयार किये जा रही है। प्रदेश में उद्यमियो के लिए तैयार किये जा रहे वातावरण को विगाड़ने की साजिश करने वाले अभी शांत है क्योंकि जनता ने उन्हे सबक सिखा दिया है। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आइआइए) और सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग (एमएसएमई) विभाग द्वारा संयुक्त रुप से आयोजित कार्यक्रम में उन्होने वादा किया कि वह अक्टूबर से महीने में एक बार उद्यमियो के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं निपटायेगें। उन्होने मुख्य सचिव आलोक रंजन को निर्देश दिया है कि वह मूल्य सवर्धित कर (वैट) की विसंगतिया दूर करने और औद्योगिक भूमि को फ्री-होल्ड करने की उद्यमियों की मांगो को पूरा करने का रास्ता निकाले। औद्योगिक क्षेत्रो में बुनियादी ढांचा सुधारने का भरोसा दिलाने के साथ उन्होंने यह भी ताकीद की कि उद्यमियों की सुविधा के लिए शुरु की गई सिंगल विंडो प्रणाली को सही मायने में जमीन पर उतारा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग के लिए बिजली जरुरी है लेकिन केंद्र सरकार न तो बिजली संयत्रो के लिए कोयला दे रही है और न ही उप्र के कोटे की पूरी बिजली। केंद्र सरकार का कोई जवाब भी नही मिलता। पिछली सरकार ने नये बिजलीघरों के लिए नौ समझौते किये थे लेकिन एक के लिए भी कोयले का आवंटन नही हुआ। नेवेली लिग्नाइट कार्पोरेशन के साथ मिलकर बनाये जा रहे बिजली संयत्र के लिए भी केंद्र ने अनुपत्ति नही दी है। केंद्र सरकार अच्छे दिनो की बात तो करती है लेकिन उप्र को सहयोग दिये बिना अच्छे दिन नही आने वाले। सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भगवत शरण गंगवार ने कहा कि उद्यमी संगठनो में सामंजस्य का अभाव है। वे आपस में बैठकर समस्याओं पर चर्चा नही करते है। अखिलेश सरकार के प्रयास से केंद्र ने प्रदेश में 113 औद्योगिक क्लस्टरों को मंजूरी दी है। सूबे का निर्यात बढ़कर 80 हजार करोड़ रुपये पहुंच गया है। आइआइए के अध्यक्ष प्रमोद मिगलानी ने सीएम के सामने एमएसएमई सेक्टर की मांगे रखी।

उद्यमियो की मांगे

1. तीन माह में एक बार उद्योग बंधु की बैठक की अध्यक्षता करे सीएम.
2. निजी इंडस्ट्रियल एस्टेट को प्रोत्साहन.
3. उद्योगो के लिए दी गई कृषि भूमि का भू-उपयोग 30 दिनों में स्वतः परिवर्तित माना जाए.
4. एमएसएमई से की जाए 20 प्रतिशत सरकारी खरीद
5. डायरेक्टर ऑफ इंडस्ट्रीज रेट कांट्रैक्ट की व्यवस्था बहाल हो
6. दूसरे प्रदेशो की तुलना में वैट की विसंगति दूर की जाए.
7. उद्योगो के लिए घोषित गृहकर नीति में डेप्रीसियेशन/रीबेट का प्रावधान हो.
8. इंस्पेक्अर राज खत्म किया जाए
9. सभी तरह के लाइसेंस एकमुश्त फीस लेकर 10 साल के लिए जारी किये जाए.
10. बीमार उद्योगो के लिए बने एग्जिट पॉलिसी।

क्या कहती है आपकी त्वचा

खिली-खिली खूबसूरत त्वचा भला किसे अच्छी नही लगती है। खूबसूरत और चमकदार त्वचा से इसांन दूसरे लोगो में आकर्षण का केंद्र तो बनता ही है। इसके अलावा आपकी त्वचा आपके व्यक्तित्व और व्यवहार के बारे में भी बताती है। समय के अनुसार इंसान की त्वचा में थोड़े बहुत परिवर्तन आते रहते है। ऐसे ही परिवर्तन इसांन के व्यवहार में भी आते है। जैसे त्वचा कभी मुलायम कभी रुखी होती है। उसी प्रकार इंसान का व्यवहार भी सरल तो कभी रुखा होता हे। वैसे बाजार में त्वचा की देखभाल के लिये कई क्रीम, पाउडर उपलब्ध है लेकिन इन सबके इस्तेमाल के बावजूद त्वचा में परिवर्तन आते है। जिसका मतलब साफ है कि इंसान का व्यवहार सदा एक सा नही रहता तो क्या कहती है आपकी त्वचा।

कोमल त्वचा- कोमल त्वचा वाले लोग किसी बालक की तरह व्यवहार करने वाले होते है। वे लोग किसी भी बात को जल्दी मांइड कर लेते है और अंदर ही अंदर दुखी होने लगते है। ये लोग कदम-2 पर दूसरे लोगो की मदद लेते है।

रुखी और बेजान त्वचा- रुखी त्वचा वाले लोग बलवान होते है। अपनी ताकत के जोश में वो सामने वाले बलशाली व्यक्ति से भी भिड़ जाते है ऐसे लोग अहंकारी होते है और अपने काम बल के प्रयोग से निकलवाते है इस रुखे व्यवहार के कारण इन्हें दूसरे के अत्याचारों का भी सामना करना पड़ता है।

रुखी त्वचा- ऐसे लोग व्यवहार में भी रुखे होते है। ये लोग अपनी तेज आवाज से दूसरें को दबाने और डराने की कोशिश करते है। ऐसे लोग असभ्य और उदंही भी होते है। इनमें लालच भी खूब होता है। अपने जरा से फायदे के लिये ये लोग किसी दूसरे का नुकसान करने से भी नही चूकते है।

काली त्वचा- जिन लोगो की त्वचा में सांवलापन या कालापन हो वे लोग विवेकशील होते है। ऐसे लोग किसी भी काम को करने से पहले उसकी पूरी खोज करते है और सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता रखते है।

लटकती त्वचा- जिन लोगो की त्वचा रुखी होने के साथ-2 ढीली होकर लटकने लगती है, वे लोग व्यवहार में उतने ही कुशल होते है। ये लोग फुर्टीले व वाकपटु होते है। इन लोगो में शक्ति भी खूब होती है। लेकिन ये लोग अपनी शक्ति और क्षमता का प्रयोग उचित रुप में नही कर पाते।

भूरी या मटमैली त्वचा- ऐसे लोग निराशावादी होते है लेकिन वे ईश्वर में विश्वास करते है। ये लोग जीवन में किसी का सहारा नही चाहते ये लोग अपनी नौकरी और व्यापार में भी किसी दूसरे की सलाह नही मानते है।

ग्लैमर और मनोरंजन की दुनिया में शिखर पर रहना कौन नही चाहता? लेकिन साल-साल शिखर पर रहने वाले सेलेब्रिटीज यहां कम है। कोई न कोई नई शख्सीयत उभरती है, सुर्खियां बटोरती है, मीडिया तथा आम दर्शकों का ध्यान बटोर गायब हो जाती है, पर इनसे काफी अलग है। मलाइका अरोड़ा खान

मलाइका ने दी ग्लैमर को नई पहचान

मलाइका हमेशा से ऐसी ही है। जब वह 17 साल की थी तो आम कॉलेज गर्ल की तरह जींस-टॉप में फाइलें लेकर जाते हुए एक फोटोग्राफर ने उन्हें रोका और तसवीर लेने की अनुमति मांगी। उसी माह वह फोटो अंग्रेजी की पत्रिका में 'फेस ऑफ द ईयर' में प्रकाशित हो गई। लोग मुझे कहते कि तुम अपनी बहन जैसी सेक्सी नही हो। मुझे इसे स्वीकारने में कोई परेशानी नही। यह कहना है अमृता का।

बहुत कम शादीशुदा स्त्रियों को लंबे समय तक ग्लैमर गर्ल बने रहने का मौका मिलता है। मलाइका की सफलता ने उन तमाम धारणाओं को पीछे छोड़ दिया है जो मां बन चुकी अभिनेत्रियों के लिए ग्लैमर की दुनिया ने बनाए है। अधिकतर ग्लैमर क्वींस पब्लिक प्लेसेज में अपनी इमेज को छुपाने की कोशिश करती है, शालीन परिधानो को पहनकर जबकि मलाइका को शायद ही किसी ने ग्लैमररहित सिंपल परिधानों में देखा होगा। अमृता कहती है मलाइका जैसी हॉट व सेक्सी अन्य कोई अभिनेत्री नही है। मलाइका को सभी ने हमेशा एक-सा देखा है। वह आज से नही जमाने से आकर्षक व ट्रेंडसेडर रही है। मलाइका अपनी ग्लैमरस इमेज के साथ ही खान परिवार की लाडली बहू है। एक ग्लैमर क्वीन पर्दे के पीछे कितनी सफल गृहिणी मां, पत्नी, बहू और भाभी हो सकती है मलाइका से बेहतर इसकी कोई और मिसाल नही है पति अरबाज का मनना है 'मलाइका बेहद खूबसुरत से घर परिवार करियर और बच्चे के बीच तालमेल बना कर रखती है।

मलाइका ने दुनिया को यह दिखाया कि ग्लैमर का दूसरा नाम डिग्निटी भी हो सकता है। कही न कही मलाइका को यह गृण शायद अपनी सास हेलेन से मिला। रुपहले पर्दे पर कैबरे डांसर के रुप विख्यात हुई।

अभिनेत्री हेलेन ने अपनी निजी जिंदगी बेहद शालीनता से जी। मलाइका ने भी ग्लैमर और सेक्सी इमेज को नई गरिमा दी है। अपनी सेक्सी इमेज को मलाइका ने हमेशा सहजता से लिया। अपनी निजी जिंदगी के बारे में मलाइका कहती है, ''मेरे दोनो परिवारो खान और अरोड़ा ने मुझे पूरा प्यार और सपोर्ट दिया। उनके प्रेम और विश्वास के बल पर ही मैं अपने करियर और परिवार के साथ न्याय कर पाई।'' करियर के बारे में वह बताती है 'मुझे डांस का शौक बचपन से था। ग्लैमर से लगाव ही मुझे एम.टी.वी. वीजे की ओर ले गया और वहीं से मै मॉडलिंग और फिल्मों में आई। मात्र 17 साल की उम्र में ग्लैमर के रास्ते मेरे लिए खुल गए।' पिछले दिनों मलाइका की फिल्म 'ई.एम.आई' प्रदर्शित हुई, जल्द उनकी फिल्म 'दबंग' प्रदर्शित होने जा रही है, जिसमे वे आइटम डांस के जलवे दिखाएंगी पति अरबाज और जेठ सलमान के साथ। कई रिअलटी शोज में भी मलाइका जज की भूमिका में नजर आ रही है। अपनी हॉट इमेज से उन्हें प्यार है। अपनी इमेज को गर्व के साथ कैरी करने वाली आत्मविश्वासी मलाइका सही मायनों में ओरिजिनल टीवी क्वीन है।

सोनाक्षी कर रही संजीदा भूमिकाओं का रुख

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा आने वाले दिनों में लेखिका-कवयित्री अमृता प्रीतम के जीवन पर बनने वाली फिल्म में एक संजीदा अवतार में नजर आ सकती है। फिल्म का निर्देशन नवोदित निर्देशक जसमीत रीन करेंगी। सोनाक्षी को अब तक उनके चुलबुले और मदमस्त किरदारों के लिए जाना जाता है वह अब गंभीर और सधी हुई भूमिका करने जा रही है। सोनाक्षी से जुड़े एक सूत्र ने कहा ''सोनाक्षी के अमृता प्रीतम का किरदार निभाने की हालांकि कोई औपचारिक घोषणा नही की गई है। लेकिन वह वास्तविक जीवन के किरदार को निभाने को लेकर बहुत उत्साहित है, जो इस तरह की उनकी पहली भूमिका है।''

यह सोनाक्षी का पहला यर्थाथवादी किरदार नही होगा। वह इससे पूर्व विक्रमादित्य मोटवानी की फिल्म 'लुटेरा' में भी ऐसा किरदार निभा चुकी है जिसके लिए उन्हें सराहना मिली थी। सूत्र ने कहा ''सोनाक्षी के व्यावसायिक फिल्में करने की कई वजह है। सबसे पहली वजह यह है कि उन्हें इन्हें करने में मजा आता है। दूसरी वजह यह है कि वह दोस्तो की फिल्मो मे काम करने से न नही कह सकती। लेकिन वह अब कुछ और संजीदा किस्म की भूमिकाओं में हाथ आजमाना चाहती है।'

भविष्य और आपका कल

आर के शुक्ला [आनन्द गुरू जी]

मेष (चू,चे,चो,ला,ली,लु,ले,लो,अ) (24 मार्च - 26 अप्रैल)

इस माह आपके द्वारा कोई बड़ा कार्य शुभ होने की सम्भावना बनती है, मन की कोई न कोई मुराद अवश्य पूरी हो सकती है। किसी रोग या समस्या से अचानक छुटकारा मिल सकता है। प्रेमी-प्रेमिका का सानिध्य इस वसंत ऋतु को और भी मनमोहक बना सकता है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड., छ, के, को छा)

(21 अप्रैल - 25 जून)

आर्थिक रुप से यह माह बहुत अच्छा नही कहा जा सकता। भय तथा अपमान मिलने की भी सम्भावना बनती है। व्यवसाय नौकरी से कुछ सुखद समाचार प्राप्त हो सकते है। घबराएं नही किसी भी परिस्थिति में आप बुद्धि बल से समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सकते है। जय श्री राधे।

सिंह (मा,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे)

(30 जुलाई - 15 अगस्त)

इस माह कहीं बाहर यात्रा और प्रवास के योग बन सकते है। यात्रा तो अनचाही हो सकती है। जाहिर है थोड़ा बहुत तकलीफ भी हो इस कारण पत्नी, पार्टनर से थोड़ी अनबन की भी सम्भावना बनती है। बाहर अन्तरंगता के कारण कोई जोखिम ना उठाएगा गुप्तागों में इन्फेक्शन या रोग हो सकते है। किसी से जोर जबरदस्ती के कारण आप पर गंभीर आरोप भी लग सकते है। बुद्धि विवेक से काम लीजिए। जय श्री राधे।

तुला (रा,री,क,रे,रो,ता,ती,तू,तो)

(18 सितम्बर-25 अक्टूबर)

इस माह पेट का विकार आपको तकलीफ दे सकता है, शत्रु भी सिर उठा सकते है। अरे भाई जो काम आप बहुत आसानी से कर लेते उसे करने में भी कठिनाई महसूस हो सकती है जाहिर है मन तो क्या, अपने बुद्धि बल से उसे ठीक भी तो कर लेते है। जय श्री राधे।

धनु (मे,मो,भा,भी,भू,घ,फा,दा,भे)

(22 नवम्बर - 26 दिसम्बर)

ये महीना आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आ सकता है, जी हाँ ! आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी हो सकती है। शत्रु भी नत्मस्तक रहेगा। सर्वत्र आनन्द स्वप्न एवं कल्पना लोक में रंगीन सपने आपके जीवन को खुशियों से भर सकते है, लेकिन इन सबके साथ स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखिएगा । जय श्री राधे

कुंभ (गू,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,दा)

(18 जनवरी 24 फरवरी)

इस माह आपको अनचाही यात्रा (प्रवास) पर जाना पड़ सकता है, मन में धन के लिए अजीब चिन्ता हो सकती है। अचानक एक बड़ी धनराशि की व्यवस्था करनी पड़ सकती है। भाई सोच समझकर कोई फैसला करियेगा वो कहते है ना अगर एक रास्ता बन्द हो जाता है तो सैकड़ो रास्ते खुल भी जाते है धैर्य से काम लीजिए। जय श्री राधे।

वृष (इ,उ,ए,ओ,व,वी,वू,वे,वो)

(27 अप्रैल -15 मई)

आपके लिए यह माह सभी कार्यो में सफलता दिलाने वाला हो सकता है, इस माह घर या वाहन सम्बन्धी योग बन सकते है। इस माह आपके जीवन में कोई प्रेम रुपी पुष्प खिल सकता है। आप बहुत रुमानी हो सकते है। लेकिन यदि कदम भटकते है तो सम्भालने की कोशिश जरुर करियेगा। जय श्री राधे।

कर्क (ही,हू,हे,हो,डा,र्डा,डू,डे,डो)

(22 जून - 25 जुलाई)

इस माह आप अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दे, खासतौर पर एलर्जी, खाँसी या किसी तरह के इन्फेक्शन पर आप बहुत भावुक है तोड़ प्रैक्टिकल होकर अपने जीवन साथी या दोस्त की बात को ध्यान से सुने सारी गलत फहमियाँ दूर हो जायेगी। हॉ अनावश्यक भय या शक का शिकार न हो। जय श्री राधे।

कन्या (टो,पा,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो)

(23 अगस्त - 22 सितम्बर)

आप काफी दिनों से किसी समस्या रोग या शत्रु से काफी परेशान रहे हो सकते है, घबराइए नही इन समस्याओं से छुटकारा मिलने का समय आ गया है। आप जल्द ही अच्छा महसूस कर सकते है। आर्थिक सफलता भी प्राप्त हो सकती है। परन्तु अनैतिक, प्रेम सम्बन्धों से बचें अन्यथा पत्नी और बच्चों से दूरी बन सकती है। जय श्री राधे।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, मा, मी, मू)

(28 अक्टूबर - 21 नवम्बर)

इस माह प्रेम और काम मन में हिलोरे पैदा कर सकता है सम्भलिएगा कही, भटक मत जाइयेगा। इस माह हो सकता है आप को स्वार्थी हो जाने का मन करें, जीवन का कुछ समय खुद के, लेकिन अपनो का ख्याल रखना मत भूलिएगा। जय श्री राधे।

मकर (भो,जा,जी,खी,खू,खे,खो,गा,गी)

(22 दिसम्बर 17 जनवरी)

इस माह मन थोड़ा खिन्न रह सकता है, घर का पैसा यानि कि जमापूँजी भी अनावश्यक कार्य में खर्च हो सकती है। लेकिन घबराने की कोई बात नही आप का साहस और मनोबल आप का साथ नही छोड़ने वाला हो सकता है कोई नया दोस्त या कोई पुराना दोस्त, अचानक आपके जीवन में आकर आपको सरप्राइज दे। जय श्री राधे।

मीन (दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची)

(19 फरवरी 20 मार्च)

इस माह बेकाबू खर्च आपकी आर्थिक स्थिति को डावाँडोल कर सकता है पत्नी या पति किसी बात से नाराज हो सकती है। मन बहुत दुखी रह सकता है। अब आप तो दुखी हो सकते है, देखिएगा। आपकी किसी भूलवश की गई गलती के कारण आपके अपने नाराज न हो जाये ऐसा हो तो क्षमा कीजिएगा बोलिएगा। ऐसा करेंगे न आप। जय श्री राधे।

Business
Explorer
Browse it! To find Your Need...
R
Bulk SMS, Bulk VOICE call, Website Disign and Software Development
MA KETING
Contact: +91-9696064716
www. businessexplorer.co.in

RNI.UPHIN/2014/45465

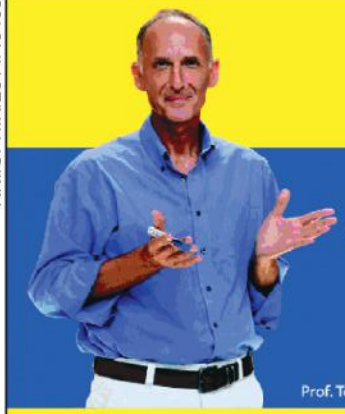

Just Success or Global Success?

Explore the new horizons of education with
International faculty and World-class curriculum.
Come see it to believe it!

Prof. Tony Summers (London, UK)

Sharda - A Truly Global University
Our 360° Global Approach

- A galaxy of permanent foreign faculty from renowned institutes all over the world - because there are no borders in learning.
- 100 students from over 15 countries including Australia, the US and Canada to name a few. This allows maximum cross-cultural exchange and learning. Many more have chosen Sharda University over others this year.

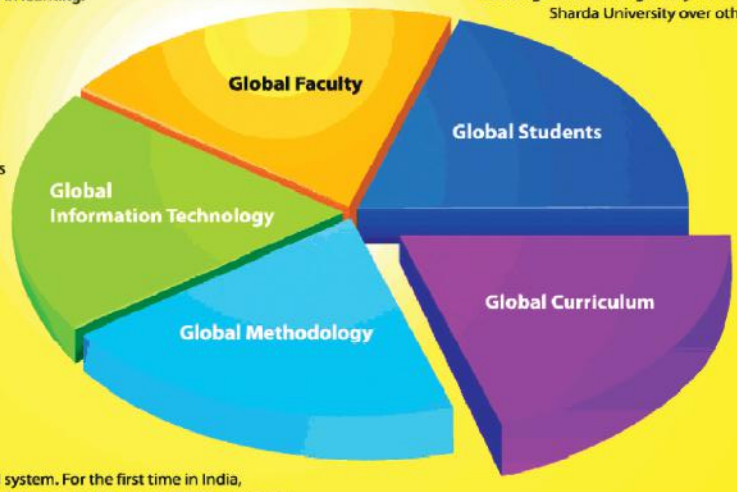

- Over US$ 2 millions have been invested in world class software & IT solutions.
- Fully flexible credit based system. For the first time in India, students can opt for interdepartmental courses, which means you can choose subjects of your choice and excel in them.
- Best modern learning practices of the UK and the US and a world class course curriculum are in place, which focus on application based learning instead of conventional memory based approach.

FIGURA/1068

No Donations/Capitation fee are taken for admission at Sharda University. Any such demand should be reported to complaint@sharda.ac.in • Ragging free campus.

Sharda University with its Global vision is bringing a new thinking in education to meet the emerging aspirations of the next generation.

Most Preferred University in NCR Apart from students of over 15 countries, there are students from 28 Indian states and Union Territories. Fusion of races, ethnicity and cultures makes it a multi-cultural and multi-dimensional campus with respect and space for all.

World-Class Campus Sharda University's fully wi-fi, 63 acre campus with two million sq.ft. built-up area, has AC networked classrooms with AV aids and complete Digital Learning Management System with 24x7 connectivity. It is the only university which offers multi-sports complex, dedicated fields for cricket, football, hockey etc. and facilities for basketball, badminton, gym and billiards room. Upcoming facilities include 2 lac sq.ft. sports complex, Olympic size swimming pool, indoor stadium and an auditorium to seat over 1000 people. Separate boys and girls hostel to accommodate over 1500 students (AC options available), 500 bed multi speciality medical hospital and several food courts are there on campus. Sharda University is just 25 minutes drive from Delhi.

Campus life Apart from academics, Sharda University campus is abuzz with activities, sports & cultural festivals, and various student initiatives all the year round. Chorus is the Annual College Fest.

SGI Heritage Largest educational group of North India • 15 years' experience in education sector • Over 20,000 students • 12,000+ alumni • 100+ programs • More than 167 acres of campus in 3 locations- Agra, Mathura & Greater Noida • 1200+ Indian & International faculty • 4,00,000+ sq. mtr. built up area • Over 80% placement record.

UGC Approved Courses Over 75 courses in Management, Medical, Dental, Engineering, Mass Comm, Biotechnology and Clinical Research to choose from. Another first is a 500 Bed Hospital on the campus for Medical and Allied Sciences. For details of specializations in each course, log on to www. sharda. ac.in

BBA MBA	MBBS* BDS*	B.Tech M.Tech
BCA MCA	B.Com (Prof.)	Biotechnology
Mass Comm.	Nursing	Clinical Research

Sharda University has received the **Best Private University Award 2010** in Uttar Pradesh.

Join us on : YouTube

http://twitter.com/shardauniv
http://youtube.com/shardauniv

*Conditions Apply

For details log on to:
www.sharda.ac.in Live Chat
Toll Free: 1800-102-6999
(7am to 8pm)
SMS: SHARDA to 53030
Campus: Plot No. 32-34, Knowledge Park 3, Gr. Noida 201306. Ph.: 0120-3121001.
Delhi Corporate Off.: M-11, South Extn. Part-II, New Delhi 110049. Ph.: 011-26262992/3/4

SHARDA UNIVERSITY
Beyond Boundaries

Approved vide Act no. 14 of 2009 of UP Govt. and recognised by UGC.